वर्ष-14 - अंक 109
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
मंगलवार, 28 जुलाई 2026

RNIDनo UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.......
9511151254

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhatÐco

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

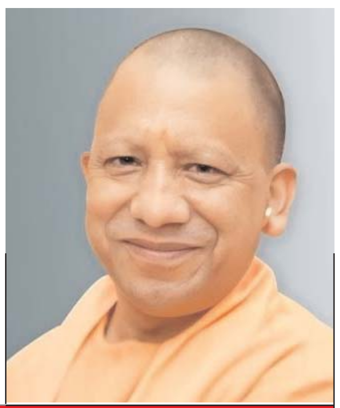

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून गाजियाबाद, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नंदेश्वर धाम स्थापना दिवस पर उमड़ा आस्था 3
धर्मेंद्र प्रधान की सिर्फ मंत्री पद की कुर्सी गयी, राजनीतिक 4
शहरी जलभराव रोकने को 1,284 करोड़ की 24 परियोजनाओं को...................... 08

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का खूनी हमला, 30 लोगों की मौत

कडुना के नारिडोन गांव में देर रात बरसाई गोलियां, कई घायल

अबुजा(एजेंसी)। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य कडुना में एक बार फिर बंदूकधारियों ने खूनी हमला कर दहशत फैला दी। काउरा काउंसिल क्षेत्र के नारिडोन गांव में रविवार देर रात हथियारबंद हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले के बाद पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि मृतकों के शव पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के लिए अस्पताल में रखे गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावर देर रात गांव में पहुंचे और घरों को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग गए। सदर्न कडुना पीस एंड सिक्योरिटी नेटवर्क के अध्यक्ष डेरेक क्रिस्टोफर ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इसी गांव

पर पिछले वर्ष भी इसी तरह का हमला हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस क्षेत्र में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में लगातार विफल रही है। उनका कहना है कि बार-बार हो रहे हमलों के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई, जिससे सशस्त्र गिरोहों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय निवासी राफेल जोशुआ ने बताया कि ग्रामीण पूरी रात घायलों को अस्पताल पहुंचाने और मृतकों के शवों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में जुटे रहे। उन्होंने कहा कि कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य जारी है, जबकि सुरक्षा बलों ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। यह घटना एक बार फिर नाइजीरिया में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ती हिंसा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में लंबे समय से सशस्त्र गिरोहों और बंदूकधारियों द्वारा गांवों पर हमले, अपहरण और हत्याओं की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के अभाव में ग्रामीण लगातार भय के साये में जीवन बिताने को मजबूर हैं। हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली थी। प्रशासन ने दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

> स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावर देर रात गांव में पहुंचे और घरों को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग गए। सदर्न कडुना पीस एंड सियोरिटी नेटवर्क के अध्यक्ष डेरेक क्रिस्टोफर ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इसी गांव पर पिछले वर्ष भी इसी तरह का हमला हुआ था।

ईरान के जहाज पर यूक्रेन के हमले का जवाब देना जरूरी : अब्बास अराघची

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि कैस्पियन सागर में ईरान के कमर्शियल जहाज पर यूक्रेन के हमले को बिना जवाब दिए ऐसे नहीं छोड़ा जा सकता। ईरानी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि उन्होंने इजरायल के कहने पर यूएन चार्टर का खुला उल्लंघन करके यूरोप को अपनी लड़ाई में घसीटने का आदेश दिया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि उन्होंने शनिवार और रविवार को यूरोपीय संघ की विदेश नीति की प्रमुख काजा कैलास और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर हुई बातचीत में स्पष्ट कर दिया था कि कीव में मुफ्तखोर ने जो किया, उसे बिना जवाब दिए नहीं जाने नहीं दिया जा सकता। ईरानी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, अराघची ने शनिवार को ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास के साथ एक फोन कॉल में यह बात कही। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। बयान के अनुसार, अराघची ने यूक्रेनी हमले की निंदा की और ईयू, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके गुनाहगारों और समर्थकों को जिम्मेदार ठहराने की अपील की। इसमें आगे कहा गया कि दोनों पक्षों ने होर्मुज स्ट्रेट में हो रहे

घटनाक्रम पर भी बात की और क्षेत्रीय तनाव को मैनेज करने के लिए डिप्लोमैटिक पहल की जरूरत पर जोर दिया। एक अलग बयान में मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने हमले को लेकर शनिवार को तेहरान में यूक्रेन के चार्ज डी'अफेयर्स को बुलाया और औपचारिक रूप से इस काम की निंदा करते हुए विरोध पत्र दिया। ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह हमला शनिवार को स्थानीय समय के हिसाब से सुबह 3:00 बजे हुआ और इसमें जहाज में धमाका हुआ और एक नाविक की मौत हो गई। अर्धसरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने रविवार को बताया कि हमले में तीन नाविक भी घायल हुए हैं। ईरान के उत्तरी गिलान प्रांत के गवर्नर हादी हकशेनास के हवाले से बताया गया कि स्टील लादे इस जहाज पर उस समय हमला हुआ, जब वह रूस के अस्त्राखान बंदरगाह से ईरान के गिलान प्रांत स्थित अंजली बंदरगाह की ओर जा रहा था। हकशेनास ने कहा कि हमले में जहाज का ब्रिज (नियंत्रण कक्ष) पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे वह अपनी यात्रा जारी रखने में असमर्थ हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कानूनी माध्यमों से उठाया जाएगा वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को दावा किया कि यूक्रेनी बलों ने कैस्पियन सागर में एक रूसी युद्धपोत और ईरान से जुड़े सैन्य सामान की ढुलाई में इस्तेमाल किए जा रहे जहाजों को निशाना बनाया है।

संक्षिप्त ख़बरें

भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने जीता रजत

ग्लास्गो। भारतीय महिला भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 53 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत की झोली में तीसरा रजत पदक डाला। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क दोनों स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किलोग्राम (88+111 किग्रा) वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला दिदिह ने कुल 206 किलोग्राम (93+113 किग्रा) वजन उठाकर जीता, जबकि कनाडा की रेबेका ग्रोउलेक्स ने 178 किलोग्राम (83+95 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ज्ञानेश्वरी यादव ने प्रतियोगिता की शुरुआत से ही पदक की दावेदारी मजबूत कर दी। उन्होंने स्नैच के पहले प्रयास में 82 किलोग्राम, दूसरे प्रयास में 85 किलोग्राम और तीसरे प्रयास में 88 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में उनके तीनों प्रयास सफल रहे, जिससे वह पदक की दौड़ में बनी रहीं।

जौहर यूनिवर्सिटी को बड़ी राहत, 38 भवनों के ध्वस्तीकरण पर फिलहाल रोक

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को बड़ी राहत मिली है। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) द्वारा विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने अंतरिम राहत प्रदान की है। मंडलायुक्त ने अगली सुनवाई तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही फिलहाल विश्वविद्यालय परिसर में बुलडोजर कार्रवाई नहीं होगी। जौहर ट्रस्ट ने आरडीए के ध्वस्तीकरण आदेश को चुनौती देते हुए मंडलायुक्त न्यायालय में वैधानिक अपील दाखिल की थी। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की प्रारंभिक दलीलें सुनने के बाद मंडलायुक्त ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए आरडीए की कार्रवाई पर रोक लगा दी। अब मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। गौरतलब है कि रामपुर विकास प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय परिसर के 40 में से 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित बताते हुए उन्हें अवैध घोषित किया था। प्राधिकरण ने इन भवनों को ध्वस्त करने के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन, जौहर ट्रस्ट, छात्रों और कर्मचारियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में 46वां ज्ञान दीक्षा समारोह

गडकरी बोले— विकास और चरित्र निर्माण ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य

हरिद्वार(एजेंसी)। देव संस्कृति विश्वविद्यालय (देसंविवि), शांतिकुंज में सोमवार को 46वें ज्ञान दीक्षा संस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऑनलाइन वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मविकास, चरित्र निर्माण और लोकमंगल की भावना का विकास करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में

सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अपने संदेश में नितिन गडकरी ने भारतीय ऋषि परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था सदैव व्यक्ति के सर्वांगीण विकास पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य के भीतर छिपी श्रेष्ठता को जागृत करने का माध्यम है। यदि युवा उच्च जीवन-दृष्टि, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें तो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञानार्जन के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करने का आह्वान किया। समारोह को संबोधित करते हुए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि आज का समय केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि स्वयं को समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित करने का है। उन्होंने कहा कि युवा केवल दीपक न बनें, बल्कि ऐसी ज्योति बनें जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करे। ज्ञान दीक्षा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन को उद्देश्यपूर्ण, अनुशासित और सेवा-भाव से जोड़ने का संकल्प है। डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं से अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानने और उन्हें राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्थान तथा मानवता की सेवा के लिए उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह व्यक्ति को संवेदनशील, जिम्मेदार और संस्कारित

करूर भगदड़ मामले में तमिलनाडु सरकार को झटका

पीड़ित परिजनों को नौकरी देने का आदेश रद्द

चेन्नई(एजेंसी)। तमिलनाडु के चर्चित करूर भगदड़ मामले में राज्य सरकार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने सोमवार को राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश (जीओ) को निरस्त कर दिया, जिसके तहत भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया गया था। यह फैसला राज्य सरकार द्वारा घोषित पुनर्वास पैकेज का हिस्सा था। अदालत ने इस मामले में दायर जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई के बाद स्पष्ट किया कि करूर भगदड़ की जांच फिलहाल केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है और इसकी

निगरानी सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर की जा रही है। ऐसे में मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। इसी आधार पर न्यायालय ने राज्य सरकार का संबंधित सरकारी आदेश रद्द कर दिया। गौरतलब है कि करूर भगदड़ की घटना के बाद मुख्यमंत्री विजय ने करूर का दौरा कर जिला कलेक्टर कार्यालय में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की थी। उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं और राहत एवं पुनर्वास के तहत अनुकंपा नियुक्ति सहित कई सहायता उपायों की घोषणा की थी। बाद में सरकार ने इस संबंध में सरकारी आदेश जारी किया था।

म्यांमार मानव तस्करी-साइबर ठगी नेटवर्क पर एनआईए का शिकंजा

रायपुर(एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भारतीय नागरिकों की मानव तस्करी कर उन्हें म्यांमार भेजने और साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े मामले में सोमवार को पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में छापेमारी की। एजेंसी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर और छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में तलाशी अभियान चलाकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जुटाए हैं। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी और साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत की गई। एनआईए की यह कार्रवाई उस चार्जशीट के लगभग पांच महीने बाद हुई है, जिसे एजेंसी ने फरवरी के मध्य में तीन आरोपियों के खिलाफ पंचकूला स्थित विशेष एनआईए अदालत में दाखिल किया था। आरोपियों में अंकित कुमार उर्फ अंकित भारद्वाज, इश्तिखार अली उर्फ अली और एक फरार संदिग्ध चीनी नागरिक लीसा शामिल हैं। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और प्रवासन अधिनियम की धारा-24 के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच के अनुसार यह गिरोह भारतीय और विदेशी एजेंटों के सहयोग से संचालित हो रहा था।

कांवड़ मेले की तैयारियां पूरी, 30 जुलाई से 11 अगस्त तक हरिद्वार के स्कूल रहेंगे बंद

हरिद्वार(एजेंसी)। कांवड़ मेले के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई से 11 अगस्त तक जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश रहेगा। इस अवधि में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। जिलाधिकारी मयूर

दीक्षित ने बताया कि मेले के लिए सभी विभागों की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। विभिन्न सेक्टरों में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है और जहां भी किसी प्रकार की कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। मानसून, राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्य और कुंभ-2027 की तैयारियों के बावजूद मेले की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि मेले के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही सभी दुकानों पर खाद्य सामग्री की रेट लिस्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा, ताकि श्रद्धालुओं से अधिक कीमत वसूलने जैसी शिकायतें न हों। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस वर्ष पहली बार कांवड़ मेले में साइबर कमांडो तैनात किए जा रहे हैं। ये विशेष टीमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे निगरानी रखेंगी और किसी भी भ्रामक, फर्जी या एआई जनरेटेड वीडियो के प्रसार पर तत्काल कार्रवाई करेंगी, जिससे अफवाहों और भ्रम की स्थिति को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को कांवड़ यात्रा के यातायात से अलग रखा जाएगा, ताकि सामान्य यातायात प्रभावित न हो। वहीं, डीजे वाहनों के संचालन के लिए निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

झारखंड में 16 कुख्यात माओवादी करेंगे आत्मसमर्पण

15 लाख के इनामी रीजनल कमांडर समेत कई जोनल और सब-जोनल कमांडर मुयधारा में लौटेंगे

रांची(एजेंसी)। झारखंड में माओवादी उग्रवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिलने जा रही है। पुलिस और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, जंगलों में सघन अभियान तथा राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभाव से 28 जुलाई को 16 कुख्यात माओवादी सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटेंगे। आत्मसमर्पण करने वाले इन उग्रवादियों पर कुल 60 लाख रुपये का इनाम घोषित है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे बड़ा नाम 15 लाख रुपये के इनामी रीजनल कमांडर संतोष उर्फ गांधी का है। उसके साथ संगठन के कई वरिष्ठ माओवादी

कैडर भी हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल होंगे। अधिकारियों का मानना है कि एक साथ इतने बड़े स्तर पर इनामी माओवादियों का आत्मसमर्पण संगठन के लिए बड़ा झटका साबित होगा। जानकारी के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 10-10 लाख रुपये के इनामी तीन जोनल कमांडर, पांच-पांच लाख रुपये के इनामी तीन सब-जोनल कमांडर, छह एरिया कमांडर तथा संगठन के तीन दस्ता कैडर शामिल हैं। इन सभी ने वर्षों तक विभिन्न क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से झारखंड के माओवादी प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे अभियान, जंगलों में चौतरफा घेराबंदी और खुफिया तंत्र की सक्रियता के कारण माओवादी संगठन की गतिविधियां लगातार कमजोर हुई हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत उग्रवादियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी दिया जा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि 28 जुलाई को होने वाला यह सामूहिक आत्मसमर्पण झारखंड में माओवादी विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धियों में शामिल होगा। इससे न केवल संगठन की कमजोर होती पकड़ का संकेत मिलेगा, बल्कि जंगलों में सक्रिय अन्य माओवादियों को भी हिंसा छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश जाएगा। अधिकारियों के अनुसार आत्मसमर्पण के बाद सभी माओवादियों को सरकार की

लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा चीनी विमान

लखनऊ(एजेंसी)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार देर रात पहली बार किसी चीनी विमान की लैंडिंग हुई। चाइना सदर्न एयरलाइंस का विमान खराब मौसम के कारण नेपाल की राजधानी काठमांडू में उतर नहीं सका, जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की अनुमति से उसे लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। मौसम सामान्य होने के बाद विमान को दो घंटे बाद पुनः काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, चाइना सदर्न एयरलाइंस की फ्लाइट सीजेड-3067 चीन के गुआंगझू से काठमांडू के लिए निर्धारित समय पर रवाना हुई थी। स्थानीय समयानुसार विमान रात करीब 10:35 बजे काठमांडू पहुंचा, लेकिन खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण उसे वहां उतरने की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद पायलट ने एटीसी से संपर्क किया और विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारने की मंजूरी दी गई। रात करीब 11:35 बजे विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा और उसे पार्किंग बे तक ले जाया गया। विमान में क्रू सदस्यों सहित कुल 159 यात्री सवार थे। इस दौरान यात्रियों को विमान से बाहर नहीं उतारा गया और सभी लगभग दो घंटे तक विमान के भीतर ही रहे। काठमांडू में मौसम अनुकूल होने के बाद विमान को रात करीब दो बजे पुनः रवाना कर दिया गया। लखनऊ एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, यह पहला अवसर है जब किसी चीनी एयरलाइन के विमान ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। इससे पहले यहां अमेरिका और यूरोप की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आपात अथवा डायवर्ट लैंडिंग हो चुकी है, लेकिन किसी चीनी विमान का यह पहला आगमन था। चीनी विमान के लखनऊ पहुंचने की सूचना

संक्षिप्त खबरें

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

देवरिया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कमेटी ने टाउन हॉल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के विचार और सिद्धांत आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम ने वैज्ञानिक और राष्ट्रपति के रूप में देश को नई दिशा दी तथा उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कांग्रेस उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात कर जनहित और देशहित में कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष चंदन वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जुलेखा खातून, जिला प्रवक्ता संजीव मिश्रा, जिला महासचिव मार्कण्डेय मिश्रा, शिव शंकर सिंह, मनोज मणि, रजनीश प्रसाद, रीता देवी, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद अहमद, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजकुमार यादव, राशिद अंसारी, जिला सचिव पन्नालाल पाठक, रविन्द्र मल्ल, उत्तेज मिश्रा, डॉ. सी.पी. चौहान, रमाशंकर यादव, आशीष शर्मा समेत अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

रूद्रपुर, देवरिया। ट्रैक्टर ट्राली से धान की भूसी लेकर जा रहे एक मजदूर की हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक राइस मिल से धान की भूसी लेकर ट्रैक्टर चालक छितही बाजार की तरफ जा रहा था। ट्रॉली पर भूसी काफी ऊंचाई तक लदी थी और उस पर एक मजदूर बैठा हुआ था। ट्रैक्टर ट्राली हाई टेंशन तार के नीचे से गुजरी। भूसी लगे ट्राली की ऊंचाई अधिक होने के कारण मजदूर बिजली के तार के संपर्क में आ गया और उसकी हृदय विदारक मौत हो गई। घटना स्थल पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक मजदूर की पहचान सूर्यभान भारती उम्र 50 वर्ष पुत्र रामसमुज निवासी पिपराइच थाना एम्स जिला गोरखपुर के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलने पर राम लक्ष्मण चौकी पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की छानबीन शुरू किया।

मार्केट से घर जा रहे युवक को देखकर मनबढ़ों ने धारदार हथियार से किया हमला

सहजनवा/गोरखूपुर सहजनवा थाना क्षेत्र के उज्जिखोर निवासी रविवार को एक युवक शाम आठ बजे के करीब घर आ रहा था। उज्जिखोर पोखरे के पास मनबढ़ों ने पुरानी रंजिश को लेकर धारदार हथियार से हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा था। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के उज्जिखोर निवासी गंगाशरण पुत्र रामसुमेर रविवार को रात्रि में आठ बजे के करीब सहजनवा से घर आ रहा था। अभी वह ड़ोमहर स्थित पोखरे पर पहुंचा था कि सात नामजद तथा दो अज्ञात की संख्या में मनबढ़ घात लगाए थे। पीड़ित को देखते ही सभी ने हमला बोल दिया। और धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया। जिससे बेहोश हो गया। साथ में जा रहे गाँव के दो लोगों ने बीच बचाव करना चाहा तो मनबढ़ों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने सात नामजद तथा दो अज्ञात मनबढ़ों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी बलराम पांडेय ने कहा कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

तस्करी की चार बोरी यूरिया खाद बरामद

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना पुलिस ने सोमवार को झिंगटी स्थित एसएसबी रोड से चार बोरी भारतीय यूरिया खाद बरामद की है। पुलिस ने बरामद खाद को जब्त कर कस्टम विभाग को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार शाम करीब चार बजे सेवतरी चौकी पुलिस कांस्टेबल रोशन मणि त्रिपाठी और कांस्टेबल जितेश कुमार ने गश्त के दौरान क्षेत्र के ग्राम पंचायत झिंगटी स्थित बार्डर डेवलपमेंट रोड से तस्करी की 4 बोरी अवैध भारतीय यूरिया खाद बरामद किया है। पुलिस ने बरामद यूरिया को अपने कब्जे में लेकर थाने लाई तत्पश्चात कागजी कार्यवाही के बाद नौतनवां कस्टम कार्यालय को सौंप दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि बरामद यूरिया खाद को कस्टम अधिनियम की धारा 113 के तहत कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिए नौतनवा कस्टम कार्यालय को सुपुर्द कर दिया गया है।

सीएचसी गोला में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की भारी कमी

तीन महत्वपूर्ण पद वर्षों से खाली, मरीज बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। जिले के तहसील मुख्यालय गोला के समीप स्थित 30 शैय्या वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के तीन महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। इसका सीधा असर मरीजों के उपचार, स्वास्थ्य योजनाओं के संचालन और जनजागरूकता कार्यक्रमों पर पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों में स्वास्थ्य सेवाओं की इस स्थिति को लेकर लगातार असंतोष बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएचसी गोला पर मानक के अनुरूप चिकित्सकों की तैनाती नहीं है। विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में जटिल बीमारी से पीड़ित मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल या निजी अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है। ऐसे में गरीब और दूरदराज के मरीजों को आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था भी प्रभावित है। यहां सहायक शोध अधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक जैसे तीन अहम पद लंबे समय से रिक्त हैं। सहायक शोध अधिकारी टीकाकरण, एएनएम की रिपोर्ट और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की निगरानी करता है। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी का दायित्व जनजागरूकता अभियान चलाना, स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना, आईजीआरएस, आरटीआई, पत्राचार तथा विभिन्न बैठकों में विभाग का प्रतिनिधित्व करना होता है। इसी प्रकार ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं के संचालन, पोर्टल पर आंकड़ों के अद्यतन, स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी तथा जिला स्तर से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाता है। इन पदों के रिक्त रहने से कई योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रभावित हो रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी समय से नहीं पहुंच पा रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सीएचसी गोला में वर्षों से न तो पर्याप्त डॉक्टरों की नियुक्ति हो सकी और न ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप यह अस्पताल क्षेत्र की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने शासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि अस्पताल में मानक के अनुरूप विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के साथ रिक्त महत्वपूर्ण पदों पर भी शीघ्र नियुक्ति की जाए, ताकि गोला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

ग़ोला सरयू तटीय गांवों में बाढ़ से पहले प्रशासन अलर्ट

एसडीएम ने किया निरीक्षण; राहत तैयारियों को परखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए गोला तहसील प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में उप जिलाधिकारी गोला मनीष कुमार ने नायब तहसीलदार बड़हलगंज जयप्रकाश के साथ सरयू नदी से प्रभावित ग्राम पटना, बगहा, ज्ञानकोल समेत आसपास के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लेने के साथ ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों और राजस्व कर्मियों को निर्देश दिए कि संभावित बाढ़ प्रभावित परिवारों का चिन्हांकन कर उनकी अद्यतन सूची तत्काल तैयार रखें। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, खाद्यान्न, दवाइयों सहित सभी आवश्यक सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि आपदा की स्थिति में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ग्रामीणों से अपील करते हुए एसडीएम ने कहा कि यदि सरयू का जलस्तर तेजी से बढ़ता है अथवा प्रशासन की ओर से सुरक्षित स्थानों पर जाने की सूचना दी जाती है तो बिना देर किए राहत शिविरों या सुरक्षित स्थानों पर पहुंचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना ही जनहानि रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। प्रशासन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को भी अलर्ट करते

हुए गर्भवती महिलाओं, गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों, बुजुर्गों एवं अन्य संवेदनशील नागरिकों की सूची पहले से तैयार रखने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों अथवा अस्पतालों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। वहीं पशुपालन विभाग को पशुओं के उपचार, टीकाकरण और चारे सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। स्थानीय पुलिस और बीट पुलिस कर्मियों को संवेदनशील गांवों में लगातार भ्रमण कर हर गतिविधि पर नजर रखने तथा किसी भी आपात सूचना को तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी संबंधित विभागों, ग्राम प्रधानों और राजस्व कर्मचारियों का क्षेत्रवार व्हाट्सएप समूह बनाकर बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग द्वारा घाघरा (सरयू) नदी के किनारे कराए जा रहे तटबंध एवं कटानरोधी कार्यों का भी जायजा लिया गया। एसडीएम मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को सभी सुरक्षात्मक कार्य युद्धस्तर पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बाढ़ पूर्व तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करें, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तेजी और प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकें।

राम जन्मभूमि न्यास समिति के नवनामित सदस्य रामानंद दास महाराज से मिला पत्रकार प्रतिनिधिमंडल

गोलाबाजार, गोरखपुरः पत्रकारों की एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को अयोध्या पहुंचकर राम जन्मभूमि न्यास समिति के नवनामित सदस्य पूज्य रामानंद दास महाराज से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा सफल कार्यकाल की कामना की। पत्रकारों ने कहा कि रामानंद दास महाराज लंबे समय से धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में जनसेवा से जुड़े हैं। उनका राम जन्मभूमि न्यास समिति में नामित होना समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और समर्पण से अयोध्या के धार्मिक एवं सांस्कृतिक विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर रामानंद दास महाराज ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए पत्रकारों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, सकारात्मक और जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला है तथा समाज को सही दिशा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। भेंट के दौरान अयोध्या के विकास, धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ पत्रकार ललित मोहन त्रिपाठी, राम आशीष त्रिपाठी, बृजनाथ तिवारी, पंकज पांडेय, शैलेंद्र दुबे, पद्माकर मिश्र, अवनीश सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जौहर विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में समाजवादी पार्टी का विरोध

जिलाधिकारी कार्यालय पहुँच राज्यपाल के नाम सौंपा पत्रक

देवरिया। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर से जुड़े ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम का नेतृत्व सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष जैनुल अख्तर ने किया, जबकि जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। ज्ञापन में विश्वविद्यालय से संबंधित ध्वस्तीकरण आदेश पर पुनर्विचार करने तथा शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता, संवैधानिक मूल्यों और विधि के शासन के अनुरूप निर्णय लेने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि शिक्षा समाज के भविष्य और सामाजिक न्याय की आधारशिला है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान से जुड़े निर्णय संविधान और विधि सम्मत प्रक्रिया के अनुसार लिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संवैधानिक दायरे में रहकर संघर्ष जारी रखेगी। ज्ञापन के दौरान पूर्व विधायक खोखा सिंह, स्वामीनाथ यादव, हाफिज शहादत हुसैन अंसारी, अजय प्रताप सिंह (पिंटू सिंह सैथवार) समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामगढ़ताल नौका हादसा: दो मोटर बोटों की टक्कर में एक की मौत

चालक हिरासत में, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। शहर के रामगढ़ताल स्थित नौका विहार में रविवार रात हुए दर्दनाक हादसे में दो मोटर बोटों की आमने-सामने टक्कर हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद नौका विहार परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा तथा घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार घटना थाना रामगढ़ताल क्षेत्र के नौका विहार में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों मोटर बोटों में सवार लोग ताल में भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान किसी कारणवश दोनों नौकाओं के बीच तेज टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर पानी में गिर गया। उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल, गोरखपुर में चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए। मामले में मृतक के परिजनों की ओर से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना रामगढ़ताल में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि नौका हादसे के संबंध में प्राप्त शिकायत के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में एक आरोपी को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है तथा उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच भी कराई जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हादसा लापरवाही, तेज गति अथवा अन्य किसी वजह से हुआ। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नौका संचालन से जुड़े सभी संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत भी दी है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। रामगढ़ताल में हुई इस घटना के बाद पर्यटकों और स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल है।

खजनी में 12 वर्षीय बालक के रहस्यमय ढंग से लापता होने से सनसनी

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर। गोरखपुर जिले के खजनी कस्बे में सोमवार को एक प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी के 12 वर्षीय नाती के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, जबकि स्थानीय लोगों में भी चिंता और बेचैनी का माहौल है। सूचना पर सक्रिय हुई खजनी पुलिस बच्चे की तलाश में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, खजनी कस्बे के प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी लक्ष्मी वर्मा के 12 वर्षीय नाती वैभव वर्मा, पुत्र हनुमान वर्मा, सोमवार दोपहर करीब दो बजे अपनी साइकिल से कस्बे में टहलने के लिए घर से निकले थे। परिजनों के अनुसार वैभव अक्सर आसपास ही घूमकर कुछ देर में घर लौट आते थे, लेकिन इस बार काफी समय बीत जाने के बाद भी वह वापस नहीं पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक वैभव के घर नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने पहले रिश्तेदारों और परिचितों के यहां जानकारी ली तथा आसपास के क्षेत्रों में स्वयं तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चे का कोई पता नहीं चला तो तत्काल खजनी थाने को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस टीम ने कस्बे के प्रमुख चौराहों, बाजारों और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी।

साथ ही संभावित स्थानों पर बच्चे की तलाश के लिए पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि वैभव की अंतिम लोकेशन का पता लगाया जा सके। शाम करीब छह बजे तक वैभव का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

बच्चे के रहस्यमय ढंग से गायब होने की घटना से परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे जल्द से जल्द बच्चे के सकुशल मिलने की प्रार्थना कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है और बच्चे की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, कस्बे के व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी वैभव की शीघ्र सकुशल बरामदगी की मांग करते हुए पुलिस से तेजी से कार्रवाई करने की अपील की है।

खाद आते ही समिति पर उमड़ा भीड़, सर्वर डाउन होने से किसान परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के पेड़ारी चौराहे पर स्थित साधन सहकारी समिति लिमिटेड बैकुंठपुर में यूरिया और डीएपी खाद आने की सूचना पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। खाद वितरण के दौरान सर्वर धीमा होने के कारण किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। समिति के सचिव धीरेंद्र सिंह ने बताया कि किसानों की मांग को देखते हुए समिति पर 700 बोरी यूरिया और 300 बोरी डीएपी खाद मंगवाई गई है। भीड़ को नियंत्रित करने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए किसानों को किसान कार्ड और खतौनी देखने के बाद ही खाद का वितरण किया जा रहा है। लंबे समय के बाद खाद मिलने से कई किसानों के चेहरे खिल उठे। वहीं दूसरी ओर वितरण प्रणाली की तकनीकी

खामियों ने किसानों को परेशान भी किया। मौके पर मौजूद किसान रमेश, विजय चौरसिया, शिवपूजन, जगदीश, शिवनाथ, रामनाथ, चंद्रभान, चंद्रिका प्रसाद और रामकेवल आदि ने बताया कि वितरण के दौरान सर्वर सही से काम नहीं कर रहा था जिसके कारण कठिनाइयां झेलनी पड़ी। किसानों ने सर्वर की समस्या को जल्द ठीक कराने की मांग की है। सचिव धीरेंद्र सिंह ने आश्वस्त किया है कि सभी पात्र और जरूरतमंद किसानों को तय नियमों के तहत खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

छात्र नेताओं पर दर्ज मुकदमे

छात्र नेताओं पर दर्ज मुक

छात्र नेताओं पर दर्ज

वापस लेने की मा

कांग्रेस ने जताया वि

भदोही। जिला कांग्रेस
अध्यक्ष वसीम अंसारी और पू
अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे
छात्र आंदोलन के बाद दर्ज एफअ
आपत्ति जताते हुए कहा कि
आंदोलन करना छात्रों का ल
अधिकार है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी
किया है तो उसके खिलाफ निष्प
हो, लेकिन निर्दोष छात्र नेताओं
स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस
कहा कि पार्टी छात्रों के साथ
खड़ी है और जरूरत पड़ने पर
लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कानू
उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने
निर्दोष छात्र नेताओं पर दर्ज मुक
लेने की मांग करते हुए कहा
अन्याय के खिलाफ छात्रों की
स्तर पर लड़ेगी।

गोण्डा में सूरज सिंह ने निकाली जन-आक्रोश पद यात्रा, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चंदा चोर गद्दी छोड़ के नारों से गूँजा गोंडा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। समाजवादी पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर सपा नेता सूरज सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला और कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की और तमाम मांगों को लेकर हुंकार भरी। सपा नेता सूरज सिंह की अगुआई में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को सपाइयों ने 22 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। नगर कोतवाली के पास सपा नेता सूरज सिंह के नेतृत्व में हजारों लोग इकट्ठा हुए जहां नगर कोतवाली के पास एक निजी होटल से जन-आक्रोश पैदल मार्च करते हुए डीजे के साथ हाथों में तिरंगा और समाजवादी पार्टी का झंडा लिए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। सपाइयों ने देशव्यापी और प्रदेशव्यापी जन समस्याओं को लेकर गोंडा जिला अधिकारी प्रियंका निरंजन को ज्ञापन सौंपा। सपा नेताओ के ने खाद की समस्या, सिलेंडर की समस्या शहर में जल भराव की समस्या, बिजली की समस्या, जर्जर ट्रांसफार्मर, पुलिस उत्पीड़न, सरकारी अस्पतालों में दुर्व्यवस्था, बजाज चीनी मिल गन्ना भुगतान, सीवर लाइन, नगर में जाम, जौहर विश्वविद्यालय का ध्वस्तीकरण करने के आदेश को लेकर के विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। समाजवादियों द्वारा जन आक्रोश पैदल मार्च के दौरान 'चंदा चोर गद्दी छोड़, शिक्षा का सम्मान बचाओ, हर बेटी की यही पुकार बंद करो उत्पीड़न और अत्याचार, पेपर लीक बंद करो माफियाओं पर कार्रवाई करो' जैसे नारे भी समाजवादियों ने लगाए हैं। प्रदर्शन के दौरान सपा नेता सूरज सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जिन भी समाजवादियों पर मुकदमा गलत तरीके से लिखा जाएगा सपा सरकार आने पर उसे पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। खाद की समस्या के लिए आज किसान परेशान है, बिजली की समस्या के लिए किसान

परेशान है सिलेंडर की समस्या को लेकर की किसान परेशान है। पुलिस उत्पीड़न से आम लोग़ परेशान है सरकारी अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं में मिले हैं लोग परेशान है। किसानों का गन्ना भुगतान नहीं हो रहा है लोग परेशान है बाढ़ से कटान हो रही है कोई आर्थिक मदद नहीं मिली है लोग परेशान हैं।सूरज सिंह ने कहा कि भगवान राम को लाने की बात करने का फर्जी दावा ठोकने वालों की नाक के नीचे से हजारों करोड़ों की चंदा चोरी हो गई और आज तक दूध का दूध पानी का पानी नहीं हुआ।अरशद हुसैन जिलाध्यक्ष, रणविजय सिंह पूर्व एमएलसी, महफूज खान पूर्व एमएलसी सहित आदि उपस्थित रहे और सरकार बदलने का आह्वाहन किया।

क्षेत्राधिकारी ने किया परसामलिक थाने का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाने के प्रभावी संचालन एवं क्षेत्र की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के क्रम में सोमवार को क्षेत्राधिकारी नौतनवा बसंत सिंह ने थाने का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना कार्यालय के प्रचलित अभिलेखों का गहन अवलोकन करते हुए उनके रखरखाव के संबंध में मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में क्षेत्राधिकारी ने मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, हवालात, मालखाना तथा थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को अभिलेखों को समय से अपडेट रखने, कार्यालय व थाना परिसर में उच्च स्तरीय साफ-सफाई बनाए रखने तथा जनता की शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संवेदनशील और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से कार्य करने की हिदायत दी। सीओ

ने पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के अंत में उन्होंने ग्राम चौकीदारों को साफा भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेन्द्र बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक रामजीत, घनश्याम सिंह यादव, महिला उपनिरीक्षक संजू गौड़, कांस्टेबल सुजीत कुमार निर्मल, विजय कुमार यादव और रामप्रवेश गौड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

सड़क हादसे के बाद घायल का मोबाइल लेकर भागा आरोपी गिरफ्तार

भदोही। ऊंज थाना पुलिस ने सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति का मोबाइल लेकर फरार हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का वीवो मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक्सयूवी-300 वाहन को भी कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार, 31 मई को ऊंज क्षेत्र में स्कूटी सवार को टक्कर मारने के बाद आरोपी घायल का मोबाइल लेकर फरार हो गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने इंगला प्रसाद निवासी हिसामपुर परसाखी, थाना कोखराज, जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार कर चोरी का मोबाइल बरामद किया। मामले में बरामदगी के आधार पर संबंधित धारा की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वायरल पोस्टर से स्वास्थ्य महकमे में हलचल, तीन डिप्टी

आजाद हिंद सेना वाहिनी के संस्थापक अध्यक्ष ऋषि पाण्डेय का पोस्टर हुआ जारी, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और निजी अस्पतालों से कथित सांठगांठ पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिले में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर एक पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्टर में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के तीन डिप्टी सीएमओ पर निजी अस्पतालों को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पोस्टर में दावा किया गया है कि एक डिप्टी सीएमओ यूनिवर्सल हॉस्पिटल के साथ मिलकर नया अस्पताल शुरू कराने की तैयारी में हैं, दूसरे डिप्टी सीएमओ पर यश हॉस्पिटल में लगातार सर्जरी करने का आरोप लगाया गया है, जबकि तीसरे डिप्टी सीएमओ पर बाल गोपाल हॉस्पिटल का संचालन कराने और सरकारी मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर भेजने का आरोप लगाया गया है।

पोस्टर में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित अधिकारी अस्पतालों के साथ-साथ टेंडर प्रबंधन और अन्य वित्तीय गतिविधियों में भी प्रभाव रखते हैं। पोस्टर के अंत में सवाल उठाया गया है ऐसे में क्या हो, जब कोतवाल ही डाकू बन जाए! यह पोस्टर आजाद हिंद सेना वाहिनी के संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट ऋषि पांडेय के नाम से जारी किया गया है, जिसने जिले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर पुलिस ने जाना हालचाल

यातायात अभियान में 73 वाहनों का चालान

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में सोमवार को जिले के सभी थानों की कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट ने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। पुलिस टीमों ने घर-घर पहुंचकर बुजुर्गों का हालचाल जाना, मोबाइल नंबर साझा किए तथा साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया। मौके पर प्राप्त शिकायतों का यथासंभव निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। वरिष्ठ नागरिकों ने इस पहल की सराहना की। उधर, यातायात पुलिस ने शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया। बस स्टैंड, हनुमान मंदिर और मालवीय रोड पर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की जांच की गई। बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना फिटनेस वाले ऑटो व ई-रिक्शा तथा सड़क पर सवारी भरने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 73 वाहनों का ई-चालान और दो वाहनों को सीज किया गया। अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, सायरन और हूटर लगे वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। मौके पर 30 मॉडिफाइड साइलेंसर और 12 हूटर/प्रेशर हॉर्न हटवाए गए। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

नवंबर तक 75% बजट खर्च करें, लम्पी रोग पर तुरंत कार्रवाई हो: धर्मपाल सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकार की सभी योजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नवंबर 2026 तक विभागीय बजट का कम से कम 75 प्रतिशत व्यय हर हाल में पूरा किया जाए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप बजट खर्च नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, पशुधन संरक्षण तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की है। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी रखी जाएं। यदि कहीं से भी इस बीमारी की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल प्रभाव से चिकित्सा टीम भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा दवाइयों, टीकों और अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे, ताकि रोग के फैलाव को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण अभियान, एफएमडी टीकाकरण तथा निराश्रित गोवंश के संरक्षण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए और सभी पशु चिकित्सालयों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। मंत्री ने वर्षा ऋतु को देखते हुए गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी गोआश्रय स्थल पर जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। परिसर को साफ-सुथरा और सूखा रखा जाए तथा गोवंश के बैठने के लिए पर्याप्त चबूतरे और शेड उपलब्ध कराए जाएं। बारिश से बचाव के सभी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं ताकि गोवंश को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक जनपद में कम से कम पांच एकड़ भूमि पर हरे चारे की खेती कराई जाए। इस कार्य की नियमित प्रगति रिपोर्ट निदेशालय को भेजी जाए, जिससे निगरानी के साथ पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में पशुपालकों के हित में नियमित रूप से पशु मेलों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि पशु मेले आधुनिक पशुपालन तकनीकों, बेहतर नस्लों के प्रचार-प्रसार तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए इनके आयोजन में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। बैठक में मंत्री ने दुग्ध विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ाने, दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा किसानों को दुग्ध मूल्य का नियमित और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीजेएसपी ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर किया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने 'भारत रत्न ', 'मिसाइल मैन ', 'जनता के राष्ट्रपति' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. कलाम - देश के लिए उनका योगदानः 1. मिसाइल मैनः अग्नि, पृथ्वी, त्रिशूल जैसी मिसाइलें बनाकर भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। 2. परमाणु शक्तिः 1998 में पोखरण-2 परमाणु परीक्षण में अहम भूमिका निभाई। भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया। 3. वैज्ञानिक और शिक्षकः ISRO और DRDO में रहकर देश के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों को नई ऊंचाई दी। 4. युवाओं के प्रेरणा स्रोतः राष्ट्रपति बनने के बाद भी क्लासरूम में जाकर बच्चों को पढ़ाते रहे। 10 लाख से ज्यादा छात्रों से सीधे संवाद किया। 5. 'विकसित भारत 2020' का सपनः उन्होंने 21वीं सदी में भारत को महाशक्ति बनाने का रोडमैप दिया।

अध्यक्ष का संदेशः बृजमोहन सिंह ने कहाः 'डॉ. कलाम जी ने जीरो से शुरू करके भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। वो झोपड़ी से निकले और राष्ट्रपति भवन तक गए, लेकिन सादगी नहीं छोड़ी। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके दिखाए रास्ते - ईमानदारी, विज्ञान और देशसेवा - पर चलेंगे।' भारतीय जन समाज पार्टी के स्लोगन डॉ. कलाम के नामः 1. 'सपने देखो, उन्हें पूरा करने की हिम्मत रखो' - BJSP 2. 'कलाम के विचार, युवा का अधिकार ' 3. 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत, यही कलाम का सपना ' 4. 'पेपर लीक नहीं, प्रतिभा की जीत - यही सच्ची श्रद्धांजलि'

अध्यक्ष का संदेशः बृजमोहन सिंह ने कहाः 'डॉ. कलाम जी ने जीरो से शुरू करके भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। वो झोपड़ी से निकले और राष्ट्रपति भवन तक गए, लेकिन सादगी नहीं छोड़ी। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके दिखाए रास्ते - ईमानदारी, विज्ञान और देशसेवा - पर चलेंगे।'

भारतीय जन समाज पार्टी युवाओं से अपील करती है कि आज के दिन 1 घंटा पढ़ाई करके और 1 पेड़ लगाकर डॉ. कलाम जी को सच्ची श्रद्धांजलि दें। 'मृत्यु तब होती है जब लोग आपको भूल जाते हैं - कलाम जी, आप अमर हैं।

नंदेश्वर धाम स्थापना दिवस पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उद्यान विभाग परिसर स्थित नंदेश्वर धाम मंदिर का स्थापना दिवस मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों, अधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन-पूजन के साथ हुआ। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के बीच धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। स्थापना दिवस समारोह

में उद्यान विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री सुभाष चंद्र तिवारी, उद्यान विभाग लिपिक संवर्ग कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के संयुक्त मंत्री अतुल कपूर तथा उद्यान महासंघ के अध्यक्ष अविनाश चंद श्रीवास्तव सहित सैकड़ों कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नंदेश्वर धाम मंदिर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर उपस्थित श्रद्धालुओं और कर्मचारियों ने आयोजन समिति की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

धनुआसाड़ में उमड़ा जनसैलाब, पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने स्व. सत्यदेव सिंह यादव को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

......पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में जनसेवा को किया याद, विशाल भंडारे में सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद; सपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों की रही बड़ी मौजूदगी ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के धनुआसाड़ गांव में सोमवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने समाजसेवी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्वर्गीय सत्यदेव सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. सत्यदेव सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके सामाजिक योगदान को नमन किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में समर्थकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मौजूदगी से पूरा परिसर श्रद्धा और सम्मान के भाव से सराबोर हो उठा। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि स्व. सत्यदेव सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन समाजसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। वे हमेशा गरीबों, किसानों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे रहते थे। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व कभी भुलाए नहीं जा सकते और उनके आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन सहदेव सिंह यादव, ग्राम प्रधान पदम सिंह यादव, पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, राम सिंह यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता श्रवण यादव, अभिषेक दीक्षित, अभिषेक सिंह, आर्यन सिंह तथा क्रिधव सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर दिनभर श्रद्धालुओं और समर्थकों का तांता लगा रहा। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और स्व. सत्यदेव सिंह यादव के प्रति लोगों के सम्मान की झलक स्पष्ट दिखाई दी। आयोजन को सफल बनाने में परिवार के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

पर्यटन परियोजनाएं अब केवल प्रस्तावों पर नहीं, जमीनी सत्यापन के बाद होंगी मंजूर: जयवीर सिंह

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पर्यटन विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा शुरू करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब पर्यटन परियोजनाओं को केवल कागजी प्रस्तावों के आधार पर मंजूरी नहीं मिलेगी। प्रत्येक परियोजना का पहले जमीनी सत्यापन, उसकी उपयोगिता, जनहित और व्यावहारिकता का आकलन किया जाएगा। साथ ही सभी लंबित परियोजनाओं को आगामी नवंबर 2026 तक पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सोमवार को जारी बयान में मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन अवस्थापना के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 575 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिन पर 1,198.41 करोड़ रुपये (119841.10 लाख रुपये) खर्च किए जा रहे हैं।

राज्य संग्रहालय में कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी, डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की पहल पर राज्य संग्रहालय, लखनऊ में 26 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली 'डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला' का शुभारंभ कारगिल विजय दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम के तहत कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया तथा भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व के विभिन्न आयामों पर व्याख्यानों की श्रृंखला शुरू हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में आमंत्रित अतिथियों और राज्य संग्रहालय के अधिकारियों ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि व्याख्यानमाला का उद्देश्य भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास एवं पुरातत्व के प्रख्यात विद्वान डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल के बहुमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए देश की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। मुख्य वक्ता प्रो. के.के. थपल्याल, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में डॉ. अग्रवाल के व्यक्तित्व, कृतित्व और शोध कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल ने भारतीय संस्कृति, कला और इतिहास के अध्ययन को नई दृष्टि प्रदान की। उनके शोध कार्यों ने भारतीय परंपराओं, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक निरंतरता को समझने का मजबूत आधार तैयार किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल के लेखन में भारतीयता की गहरी संवेदना और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर ने डॉ. अग्रवाल की प्रसिद्ध कृति 'पाणिनिकालीन भारत' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय इतिहास लेखन की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने बताया कि इस ग्रंथ में महर्षि पाणिनि की अष्टाध्यायी को ऐतिहासिक स्रोत मानकर तत्कालीन भारतीय समाज, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, व्यापार, उद्योग, धर्म, संस्कृति और जनजीवन का वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक चित्र प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल ने यह सिद्ध किया कि व्याकरण जैसे साहित्यिक ग्रंथ भी इतिहास और संस्कृति के अध्ययन के महत्वपूर्ण स्रोत हो सकते हैं।

लुलु मॉल में फनटुरा की दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

26 जिलों के 330 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लुलु मॉल, लखनऊ स्थित प्रमुख इनडोर एम्यूज़मेंट एवं फैमिली एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन फनटुरा द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2026 को एट्रियम-1 में आयोजित दो दिवसीय फनटुरा शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 26 जिलों से आए कुल 330 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी शतरंज प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-19, महिला, ओपन एवं वेटरन सहित विभिन्न वर्गों में मुकाबले आयोजित किए गए। इससे सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अपनी रणनीतिक क्षमता और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। आयोजन ने खिलाड़ियों, अभिभावकों और दर्शकों के बीच विशेष उत्साह का माहौल बनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, युवाओं एवं वयस्कों में रणनीतिक सोच, खेल भावना और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना था। विभिन्न स्कूलों, शतरंज अकादमियों तथा स्वतंत्र

खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन, एकाग्रता और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर श्री जयाकुमार गंगाधरन, डायरेक्टर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने कहा कि ऐसे बौद्धिक एवं कौशल-आधारित आयोजन बच्चों और युवाओं के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि लुलु ग्रुप भविष्य में भी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाले आयोजनों का समर्थन करता रहेगा। बिजू सुगाथन, रीजनल डायरेक्टर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि धैर्य, रणनीतिक सोच और निर्णय क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। वहीं समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं में विश्लेषणात्मक सोच, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। वसीम अहमद ख़ान, ऑपरेशंस मैनेजर - लुलु फनटुरा ने प्रतियोगिता में मिली शानदार भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि फनटुरा का उद्देश्य केवल मनोरंजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सीखने, कौशल विकास और पारिवारिक सहभागिता को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी फनटुरा इस प्रकार के शैक्षिक, खेल एवं कौशल-आधारित आयोजनों का आयोजन करता रहेगा। प्रतियोगिता का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न वर्गों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। 26 जिलों से आए 330 खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस आयोजन को राज्य स्तरीय पहचान दिलाई। फनटुरा ने एक बार फिर साबित किया कि वह लखनऊ में पारिवारिक मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान, खेल और कौशल विकास को बढ़ावा देने वाला अग्रणी केंद्र है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सुभाष चन्द्र पुत्र रघुनाथ यादव, निवासी ग्राम रहीमाबाद, परगना बिजनौर, तहसील सरोजिनी नगर, जनपद लखनऊ की गाटा संख्या 1017, ग्राम मिजनजुला से संबंधित पंजीकृत विक्रय विलेख (बैनामा) दिनांक 19/08/2011, विलेख संख्या 1, जिल्द संख्या 13132, पृष्ठ संख्या 205 से 268, क्रमांक 12362, जो उप-निबंधक सदर प्रथम, लखनऊ में पंजीकृत है, की मूल प्रति सरोजिनी नगर क्षेत्र में कहीं खो गई है। काफी तलाश और खोज बीन के बाद भी मुझे उक्त दस्ताबेज प्राप्त नहीं हो पाया है यदि किसी को उपरोक्त दस्ताबेज प्राप्त होता है तो मुझे मेरे नंबर पर संपर्क करे।

प्रार्थी
सुभाष चन्द्र पुत्र रघुनाथ यादव
मो. 8181815158

बी0 आर0 सी0 खैराबाद में ब्लॉक स्तरीय शिक्षकों की मासिक बैठक संपन्न

सभी कार्यों को गुणवा्ा पूर्ण और समय से पूरा करें:- प्रियांशी ससेना खण्ड शिक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। ब्लॉक स्तरीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक स्थानीय बी आर सी में खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद प्रियांशी सक्सेना की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें ब्लॉक के सभी विद्यालयों के प्रधान अध्यापकों ने प्रतिभाग किया, बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अपने सभी कार्यों को प्रथम वरीयता में किया करें ताकि किसी भी प्रकार की कोई पेंडिंग न रहने पाए वर्तमान समय में जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश फॉर्म भरने के लिए सभी से युद्ध स्तर पर कार्य करने को कहा तथा विभागीय निर्देशों के अनुसार अपने समस्त कार्य शीघ्र पूरे करें प्रत्येक विद्यालय में अच्छे से रंगाई पुताई होनी चाहिए कक्षा कक्ष में ग्रीन बोर्ड मानक के अनुसार लगे होना चाहिए समय का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न की जाएगी।इसके बाद ए आर पी आशुतोष कुमार और संजीव पटेरिया ने मीटिंग एजेंडा के प्रत्येक बिंदु को साझा किया जबकि ए आर पी पूनम बाजपेई और शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने चर्चा किया तथा जिला अधिकारी महोदय द्वारा जारी इक्कीस बिंदु की एस ओ पी पर भी विस्तार से समझाया खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में समाचार पत्र को आवश्यक रूप से मंगवाया जाए और बच्चों को पढ़ने के लिए दिया जाए जिससे उनकी पठन पाठन क्रिया में सुधार हो सके, निपुण आंकलन प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में आवश्यक रूप से पूर्ण कर लेना चाहिए । विद्यालयों में प्रत्येक माह में अधिक उपस्थिति वाले बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों का भी सम्मान किया जाए। ज्ञात रहे कि इस बार बैठक दो दिवस में सम्पन्न हुई पहले दिन पांच संकुल और आज पांच संकुलों को आमंत्रित किया गया था इन दोनों दिवसों में पूर्व माध्यमिक जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद अध्यक्ष नरेश मिश्रा मंत्री जहीर आलम वरिष्ठ उपाध्यक्ष काजिम हुसैन सिद्दीकी उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष पवन कुमार सिंह , मंत्री अमित त्रिपाठी आदि मौजूद रहे ।इसके अलावा बी आर सी स्टाफ में पंकज कुमार रावत,ब्रजेश दीक्षित, सुधीर कुमार,मनीष पाल,प्रमोद यादव,सिराज अहमद,रमेश रस्तोगी, संतोष त्रिवेदी अदीब अंसारी संजय कुमार आदि ने सभी कार्यों में सहयोग किया।

प्रदेश की छह बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को मिली एलओसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत वृहद श्रेणी की छह औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी करने की स्वीकृति प्रदान की है। अधिकृत समिति की संस्तुतियों के आधार पर लिए गए इस निर्णय से प्रदेश में 716 करोड़ रुपये से अधिक के नए औद्योगिक निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार स्वीकृत परियोजनाओं में धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (बरेली) की 60 करोड़ रुपये, के.एन. इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (फिरोजाबाद) की 160.20 करोड़ रुपये, वीफॉर्म टेक्नोपैक लिमिटेड (वाराणसी) की 167.22 करोड़ रुपये, वीफॉर्म टेक्नोपैक लिमिटेड (गौतमबुद्ध नगर) की 120.97 करोड़ रुपये, प्रीमियर मेडिकल सिस्टम्स एंड डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड (गौतमबुद्ध नगर) की 68 करोड़ रुपये तथा एस्ट्रल लिमिटेड (कानपुर देहात) की 139.53 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार के अनुसार इन सभी परियोजनाओं को औद्योगिक नीति-2022 के तहत पूंजीगत सब्सिडी और नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति सहित विभिन्न प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इससे प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों के विस्तार को गति मिलेगी।

संपादकीय

समाज में समानता लाने की पहल

हाल में मध्य प्रदेश विधानसभा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को मंजूरी दी। इसके साथ ही मध्य प्रदेश भी उत्तराखंड, गुजरात और असम की उस श्रेणी में शामिल हो गया, जिन्होंने समान नागरिक संहिता की दिशा में ठोस पहल की है। इन पहलों ने समान नागरिक संहिता पर राष्ट्रीय विमर्श को नई गति प्रदान की है। इसी क्रम में बंगाल ने भी समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित कर इस विषय पर अपनी पहल का संकेत दिया है। दूसरी ओर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 'आर एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य' मामले में स्पष्ट किया है कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पाक्सो अधिनियम) के समक्ष कोई भी व्यक्तिगत विधि अपवाद का आधार नहीं बन सकती। ये घटनाक्रम इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि समान नागरिक संहिता का प्रश्न अब केवल वैचारिक बहस का विषय नहीं रहा, बल्कि विधायी, राजनीतिक और न्यायिक, तीनों स्तरों पर गंभीर विचार का विषय बन चुका है। इसने व्यक्तिगत विधियों, संवैधानिक समानता तथा नागरिक अधिकारों से जुड़े इस प्रश्न को पुनः राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में स्थापित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 1995 में सरला मुद्गल बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था, 'भारत एक पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य है और धार्मिक स्वतंत्रता उसकी मूल सांस्कृतिक विशेषता है। किंतु ऐसी धार्मिक प्रथाएं, जो मानवाधिकारों तथा मानवीय गरिमा का उल्लंघन करती हैं, स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दमन का स्वरूप ग्रहण कर लेती हैं। इसलिए उत्पीड़ित वर्गों की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए समान नागरिक संहिता आवश्यक है।' सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी के लगभग तीन दशक बाद भी समान नागरिक संहिता पूरे देश में समान रूप से लागू नहीं हो सकी है। समान नागरिक संहिता पर बहस नई नहीं है। संविधान सभा की बहस के दौरान अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर ने ध्यान आकर्षित किया कि ब्रिटिश राज में दंड विधि, संविदा विधि तथा संपत्ति के हस्तांतरण सहित अनेक नागरिक विधियां सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू थीं। उनके अनुसार यदि व्यापक नागरिक जीवन में विधिक एकरूपता स्वीकार की जा सकती है तो विवाह, उत्तराधिकार तथा पारिवारिक विधियों पर भी समान विधिक व्यवस्था पर विचार करना अस्वाभाविक नहीं माना जाना चाहिए। संविधान सभा के विमर्श से लेकर आज तक समय-समय पर यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि समान नागरिक संहिता सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है। समान नागरिक संहिता पर होने वाले सार्वजनिक विमर्श में इसका मूल उद्देश्य अनेक बार पीछे छूट गया और चर्चा का केंद्र धार्मिक विवाद बन गया। परिणामस्वरूप महिलाओं के समान अधिकार, बाल अधिकार तथा समान नागरिक संरक्षण जैसे मूल प्रश्न अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहे। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में अधूरा सत्य अनेक बार असत्य से भी अधिक घातक सिद्ध होता है, क्योंकि वह वास्तविक प्रश्नों को पीछे धकेल देता है। समान नागरिक संहिता के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई देती है। विश्व का कोई भी पंथ अपने मूल दार्शनिक स्वरूप में महिलाओं की गरिमा का विरोध नहीं करता। हालांकि सामाजिक, सांस्कृतिक तथा विधिक व्याख्याओं के कारण अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिनका प्रभाव महिलाओं और बच्चों के अधिकारों पर पड़ता है। किंचित समस्या किसी पंथ की मूल शिक्षाओं से अधिक उन सामाजिक संरचनाओं और व्यवहारों में दिखाई देती है, जो परंपरा के नाम पर स्वीकार कर लिए जाते हैं। इसलिए समानता का प्रश्न किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि प्रत्येक लोकतांत्रिक समाज का प्रश्न है। इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें तो यह स्पष्ट होता है कि समान नागरिक व्यवस्था किसी धर्म विशेष के विरोध का पर्याय नहीं है। तुर्किये इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। लगभग 99 प्रतिशत मुस्लिम पंथावलंबी जनसंख्या वाले इस देश ने 17 फरवरी, 1926 को नागरिक संहिता स्वीकार की, जो चार अक्टूबर, 1926 से लागू हुई। इसका उद्देश्य किसी धार्मिक परंपरा का विरोध नहीं, बल्कि आधुनिक राष्ट्र-निर्माण तथा समान नागरिक अधिकारों की स्थापना था।

धर्मेंद्र प्रधान की सिर्फ मंत्री पद की कुर्सी गयी, राजनीतिक कद बरकरार है

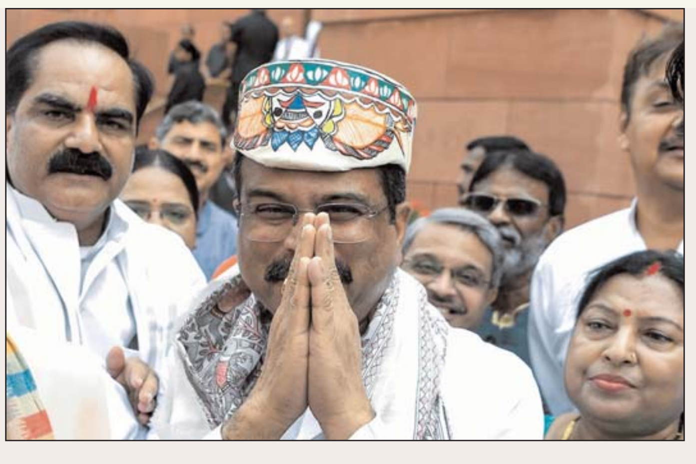

विपक्ष ने सवाल दागा कि या यह इस्तीफे का समान था या जवाबदेही का मजाक? कांग्रेस ने इसे उस नेता का महिमामंडन बताया जिसे देश की सबसे बड़ी परीक्षा से जुड़े कथित घोटाले के बाद पद छोड़ना पड़ा। धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत समारोह पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने बिलकिस बानो मामले का हवाला देते हुए कहा कि यह उसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा है जिसमें विवादों से घिरे लोगों का भी सार्वजनिक समान किया जाता है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एस' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सांसद प्रधान का स्वागत ऐसे किया जा रहा है कि मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलधि हासिल की हो। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने पहले भी देखा है कि प्रधान ने अपने इस्तीफे में पेपर लीक के लिए माफी मांगने की बजाय छात्रों पर ही ''गुमराह होने'' का आरोप लगाया था। रमेश ने कहा कि इसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर प्रधान की ''वाहवाही'' की। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम अत्यंत शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है।''हालांकि बीजेपी के लिए धर्मेंद्र प्रधान केवल पूर्व शिक्षा मंत्री नहीं हैं। वह पार्टी के सबसे भरोसेमंद संगठनकर्ताओं में गिने जाते हैं। ओडिशा के एक राजनीतिक परिवार में जन्मे प्रधान ने छात्र राजनीति से शुरुआत की थी। एबीवीपी के कार्यकर्ता से लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक, सांसद और फिर केंद्रीय मंत्री बनने तक का उनका सफर संगठन की सीढ़ियां चढ़ते हुए तय हुआ। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उज्ज्वला जैसी योजनाओं के विस्तार में उनकी अहम भूमिका रही, जबकि 2021 में उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिमेदारी सौंपी गई।

भारतीय राजनीति में संदेश अक्सर शब्दों से नहीं, बल्कि प्रतीकों से दिए जाते हैं। संसद के मॉनसून सत्र में आज ऐसा ही एक प्रतीकात्मक दृश्य देखने को मिला। दो दिन पहले नीट पेपर लीक विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान जब संसद पहुंचे तो बीजेपी और एनडीए सांसदों ने उनका स्वागत विजेता की तरह किया। 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारों से संसद परिसर गूंज उठा, पारंपरिक टोपी और शॉल पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया और मुस्कुराते हुए प्रधान ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार कियायहीं से सियासत का नया अध्याय शुरू हो गया। विपक्ष ने सवाल दागा कि क्या यह इस्तीफे का सम्मान था या जवाबदेही का मजाक? कांग्रेस ने इसे उस नेता का महिमामंडन बताया जिसे देश की सबसे बड़ी परीक्षा से जुड़े कथित घोटाले के बाद पद छोड़ना पड़ा। धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत समारोह पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने बिलकिस बानो मामले का हवाला देते हुए कहा कि यह उसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा है जिसमें विवादों से घिरे लोगों का भी सार्वजनिक सम्मान किया जाता है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सांसद प्रधान का स्वागत ऐसे किया जा रहा है कि मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने पहले भी देखा है कि प्रधान ने अपने इस्तीफे में पेपर लीक के लिए माफी मांगने की बजाय छात्रों पर ही ''गुमराह होने'' का आरोप लगाया था। रमेश ने कहा कि इसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर प्रधान की ''वाहवाही'' की। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम अत्यंत शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है।''हालांकि बीजेपी के लिए धर्मेंद्र प्रधान केवल पूर्व शिक्षा मंत्री नहीं हैं। वह पार्टी के सबसे भरोसेमंद संगठनकर्ताओं में गिने जाते हैं। ओडिशा के एक राजनीतिक परिवार में जन्मे प्रधान ने छात्र राजनीति से शुरुआत की थी। एबीवीपी के कार्यकर्ता से लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक, सांसद और फिर केंद्रीय मंत्री बनने तक का उनका सफर संगठन की सीढ़ियां चढ़ते हुए तय हुआ। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उज्ज्वला जैसी योजनाओं के विस्तार में उनकी अहम भूमिका रही, जबकि 2021 में उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई। ओडिशा में बीजेपी का संगठन खड़ा करने का श्रेय भी काफी हद तक धर्मेंद्र प्रधान को दिया जाता है। 2017 के पंचायत चुनावों से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव और फिर 2024 में बीजेडी को सत्ता से बेदखल कर बीजेपी की ऐतिहासिक जीत तक, उनकी रणनीति निर्णायक मानी जाती है। अमित शाह के करीबी राजनीतिक प्रबंधकों में उनकी गिनती होती रही है। पार्टी के भीतर उन्हें करिश्माई वक्ता से ज्यादा भरोसेमंद रणनीतिकार और संकटमोचक के रूप में देखा जाता है। लेकिन शिक्षा मंत्रालय का कार्यकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे कठिन अध्याय साबित हुआ। नई शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा और पीएम-श्री स्कूल जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने के बावजूद उनका कार्यकाल लगातार विवादों में घिरा रहा। राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप, एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, तमिलनाडु के साथ तीन-भाषा फार्मूले पर टकराव, 'हिंदी थोपने' के आरोप और शिक्षा संस्थानों के कथित भगवाकरण को लेकर विपक्ष के हमले लगातार उनका पीछा करते रहे। अंततः नीट विवाद वही मोड़ बन गया जिसने उन्हें पद छोड़ने पर मजबूर कर दिया। देखा जाये तो संसद में धर्मेंद्र प्रधान को मिले सम्मान ने यह संकेत भी दे दिया कि भाजपा उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने नहीं देना चाहती। माना जा रहा है कि उन्हें जल्द ही पार्टी संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या महासचिव पद की जिम्मेदारी देने के अलावा उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रभारी भी बनाया जा सकता है। बहरहाल, सभी को यह समझना होगा कि भारतीय जनता पार्टी शायद उन पुराने कॉलेजों की तरह नहीं है, जहां लकड़ी की बेंचों पर सिर्फ लोकप्रिय नारे लिखे मिलते हैं। उसकी राजनीतिक शिक्षा सत्ता के कठिन संघर्षों से हुई है, जहां आज से ज्यादा कल की चिंता होती है। शायद इसी वजह से पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को अंत नहीं, बल्कि अगले अध्याय की शुरुआत की तरह पेश किया है। अब असली सवाल यह है कि क्या संसद में गूंजे धर्मेंद्र प्रधान 'जिंदाबाद' के नारे जनता के मन में उठे उन सवालों को भी दबा पाएंगे, जो लाखों छात्रों के भविष्य और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से जुड़े हैं?

-नीरज कुमार दुबे

विपक्ष के लिए छात्र आंदोलन का सियासी सबक

देश भर के हज़ारों छात्रों के एक हफ़्ते से अधिक जारी आंदोलन ने राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने डर पर काबू पाकर और अपनी चिंताओं को एक तरफ़ रखकर, भूख हड़ताल की, मार्च निकाले, खुद का भी मजाक उड़ाया, अंबेडकर, गांधी और चे ग्वेरा की तस्वीरें उठाईं - और सबसे बड़ी बात, राजनीतिक वर्ग को चेतावनी दे डाली है। कांग्रेस पूरी तरह जोश में आ गई। राहुल गांधी ने गत सप्ताह के मध्य में प्रधानमंत्री मोदी के घर के बाहर धरना भी दिया, जहां से उन्हें और प्रियंका को हिरासत में ले लिया गया और कुछ देर के लिए दो पुलिस स्टेशनों में रखा गया। गुरुवार शाम तक, इंडिया गठबंधन (जो भी बचा-खुचा है) एक साथ आया और बस में बैठकर धरना देने गांधी स्मृति गया।अगर छात्र प्रदर्शनकारियों की पहली कामयाबी मोदी सरकार के ख़िलाफ़ महीने भर चले आंदोलन को कायम रखना रहा, तो दूसरी कामयाबी नेता प्रतिपक्ष का ध्यान इस ओर खींचना रहा — और यह कोई छोटी बात नहीं है। राहुल ने नीट के मुद्दे पर छात्र प्रदर्शन का साथ देने का वादा किया था, लेकिन फिर वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों पर चले गए। किस्मत रही कि जब वह एक महीने बाद लौटे — इस दौरान पंजाब समेत पूरे देश में कांग्रेस की राजनीति ठप पड़ी रही — तो उन्होंने पाया कि देश के दूसरे हिस्सों में हो रहे 'छात्रों की गूंज' नामक प्रदर्शनों का उतना असर नहीं हो पा रहा था। जिस महीने वह बाहर रहे, और पार्टी में किसी और ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया, उस दौरान आंदोलन का केंद्र बिंदु दिल्ली के बीचोंबीच स्थित जंतर-मंतर बन गया। 20 जुलाई के छात्र मार्च ने इस बात पर मुहर लगा दी। 2014 के बाद पहली बार, विपक्ष की अवधारणा को मज़बूत करने में सड़कों पर उतरे लोगों ने राजनीतिक दलों को पीछे छोड़ दिया। लोकपाल के लिए अन्ना हजारे का 2011 का अनशन और 2012 के निर्भया आंदोलन की तरह — जब चलती बस में एक लड़की के साथ हुए गैंगरेप के विरोध में प्रदर्शन कर रही दिल्ली की महिलाओं पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया था — उनकी यादें अब पुरानी पड़ चुकी हैं। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हुआ 2020 का विरोध प्रदर्शन भी इसमें शामिल नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह हिंदू-मुस्लिम दंगों में बदल गया था, जिसमें 53 लोग मारे गए थे। दूसरी ओर, सोमवार के मार्च में पैलेट गन से बिंधे जिस्म - जिससे दिल्ली में भी कश्मीर जैसा माहौल बन गया- साथ ही पत्थरबाजी, आंसू गैस और ज़बरदस्त लाठीचार्ज ने यह दिखा दिया कि छात्रों ने अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा गज़ब का संयम बरता। एक युवक की पुलिसकर्मियों द्वारा बेरहमी से पिटाई का वीडियो, जिसमें वह कह रहा है, 'और मारो, और मारो', वह रील युवा आंदोलन की प्रतीक बन गई है, युवा संविधान की प्रतियों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। भारत की जेन-ज़ी ने यह पाया कि डटकर आंदोलन करना एक हथियार हो सकता है, खासकर तब जब कुछ हज़ार लोग मिलकर ऐसा करें; यह संदेश सोशल मीडिया पर बिजली की रफ़्तार से पूरे देश में फैल गया। आखिर सरकार क्या कर लेगी जब आप विरोध के गीत गाने लगें, जैसा कि मिज़ोरम में हो रहा है? या जब हुडी पहने एक युवती अकेले अपने दम पर प्रदर्शनकारियों से भरी मुंबई पुलिस की वैन को रोक दे? जब 'इंडिया टुडे' के पत्रकार ने पूछा कि जेन-ज़ी - जोकि राजनीतिक पार्टी का सदस्य बनकर बदलाव लाने के बजाय ज़ोरदार पार्टियां करने के लिए ज़्यादा जानी जाती है — आखिरकार क्यों परवाह करने लगी है, तो उस लड़की ने जवाब दिया: 'जेन-ज़ी में जेड का मतलब है 'ज़िद्दी', जोकि हम हैं' नेपाल और बांग्लादेश के अपने समकक्ष युवाओं के उलट, जिन्होंने पिछले दो सालों में अपनी-अपनी सरकारों को उखाड़ फेंका, इन युवा भारतीयों के बारे में दिलचस्प यह है कि उन्हें शायद मोदी को सत्ता से हटाने या कांग्रेस को वापस लाने की परवाह न हो; वे बस ऐसी 'व्यवस्था' से बुरी तरह तंग आ चुके हैं जो बहुत भ्रष्ट है और बदलाव लाने के प्रति पूरी तरह उदासीन है। इन युवाओं के मुताबिक, जब मोदी जी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तो उन्होंने 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' कहकर उम्मीद जगाई थी लेकिन हालात बदतर ही हुए हैं। नीट पेपर लीक एक बृहद और गहरी समस्या उठाने का सबब बन गया, जो घटते मौकों और गिरती आय से परिभाषित होता है। इस बीच, अमीर और अमीर होते गए। जेन-ज़ी महसूस करने लगी है कि वे वहीं के वहीं फंसे हैं। सब रास्ते बंद होते जा रहे हैं। निश्चित रूप से भाजपा भी उनके प्रति नाराज़गी भरा सम्मान स्वीकार कर रही है। खुद प्रधानमंत्री ने शुक्रवार देर रात एक सेल्फी वीडियो पोस्ट करके शिक्षा में सुधार का वादा किया, जिसके बाद सोनम वांगचुक ने अपना अनशन खत्म किया। इसके अलावा, छात्रों का यह आंदोलन राजनीतिक पार्टियों में नई जान फूंक रहा है, जैसे कि कांग्रेस, जिनकी राजनीति वर्ना भाजपा जैसी ताकतवर पार्टी के सामने लड़खड़ा रही थी। हाल के दिनों में कांग्रेस चुनाव दर चुनाव हारती आ रही है, जिससे राहुल गांधी की छवि एक ऐसे नेता की बन गई है जो बस सत्ता का दावेदार भर है। निश्चित रूप से कांग्रेस भाजपा की कमजोर नस खोजने में नाकाम रही है। भाजपा की तरह कांग्रेस भी यह समझ चुकी है कि शक्तिविहीनता के अहसास से अवज्ञा में तब्दील हुए छात्रों ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है — वरना क्योंकर अनजान दानकर्ता लोग जंतर-मंतर तक लगातार खाने-पीने का सामान भेजते रहते? इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि कराची से लेकर कनेक्टिकट तक सोशल मीडिया पर लोग इन सामान्य किंतु निडर युवाओं की हिम्मत को सलाम कर रहे हैं, जो कमोबेश रुतबे में सामाजिक श्रृंखला के सबसे निचले पायदान पर आते हैं। (पाकिस्तानी भी हैरानी से यह सब देख रहे होंगे और सोचते होंगे कि उनके अंदर अपने सैन्य तंत्र को चुनौती देने की ऐसी हिम्मत क्यों नहीं है, वह जो विरोध करने वाले छात्रों और हर उम्र के लोगों को लगातार 'गायब' कर देता है)। सोनम वांगचुक के अनशन खत्म करने के बाद, जाहिर है जंतर-मंतर का विरोध प्रदर्शन अगले चरण में प्रवेश करता। छात्रों के प्रति प्रधानमंत्री का व्यक्तिगत रुख अहम रहा — भले ही धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उस वक्त संबोधन में शामिल नहीं था। उनकी मंशा थी कि मुद्दे पर बहस संसद में वापिस ले आएं, जहां भाजपा के लिए उससे निबटना आसान रहता; वहीं राहुल को अहसास हो गया था कि अगर वह और उनकी पार्टी सड़कों पर डटी रहती है, तो वे अपनी बात बेहतर ढंग से लोगों तक पहुंचा सकते हैं। अब जबकि आंदोलनकारी छात्रों की कई प्रमुख मांगें मानने व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद विरोध-प्रदर्शन थम गया, लेकिन अब कांग्रेस आगे क्या कदम उठाती है, यह बहुत अहम होगा। अब सबकी नज़रें राहुल गांधी पर टिकी हैं कि क्या वह जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से सबक लेकर उसका राजनीतिक फ़ायदा उठा पाते हैं।

- योगेश कुमार गोयल

मेष राशि- आज का दिन उत्साह और प्रसन्नता से भरा रहने की संभावना है। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी करीबी की बात आपको क्षणभर के लिए परेशान कर सकती है, लेकिन उसे अधिक महत्व देने से बचना बेहतर रहेगा।

वृषभ राशि-आज सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी विषय पर मतभेद हो सकता है, इसलिए संयमित व्यवहार बनाए रखें। परिवार के किसी सदस्य की इच्छा पूरी करने से मानसिक संतोष मिलेगा।

मिथुन राशि-आज कार्यक्षेत्र में सतर्कता बनाए रखना आवश्यक रहेगा। किसी व्यक्ति की सलाह पर बिना सोचे-समझे निर्णय लेने से बचें। परिवार के किसी बड़े सदस्य की बात पहले कठोर लग सकती है, लेकिन बाद में उसका महत्व समझ आएगा। यदि किसी यात्रा पर जाते हैं तो वहां से प्राप्त जानकारी भविष्य में आपके लिए लाभदायक हो सकती है।

कर्क राशि-आज का दिन पारिवारिक सुख और आर्थिक संतुलन लेकर आ सकता है। घर में किसी शुभ समाचार से प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। यदि किसी पुराने आर्थिक दायित्व को लेकर चिंता थी तो उससे राहत मिलने के संकेत हैं। आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी हो सकती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना भी जरूरी रहेगा। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है, जिससे भविष्य की योजनाओं को गति मिलेगी।

सिंह राशि-आज आपको अपने कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने की आवश्यकता होगी। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से व्यस्तता बढ़ सकती है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय बाद में परेशानी का कारण बन सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। घर के बड़े सदस्यों की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी।

कन्या राशि-आज का दिन आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं या सरकारी सेवा की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। किसी भी प्रकार का वचन देने से पहले परिस्थितियों का आकलन अवश्य करें। परिवार से सहयोग मिलेगा और संतान की उपलब्धि से गर्व की अनुभूति होगी।

तुला राशि-आज सामान्य दिन रहेगा, लेकिन छोटी-छोटी बातों को लेकर मन विचलित हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधी मामलों में लापरवाही न करें। आर्थिक लेन-देन सोच-समझकर करें और किसी पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। जीवनसाथी के कार्यों में व्यस्त रहने के कारण समय कम मिल सकता है, लेकिन आपसी समझ संबंधों को मजबूत बनाए रखेगी।

वृश्चिक राशि-आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। आय बढ़ने से भविष्य की योजनाओं को गति मिलेगी। कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी का व्यवहार आपको असहज कर सकता है, लेकिन संयम बनाए रखना ही उचित रहेगा। साहस और आत्मविश्वास के बल पर कठिन परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में कर पाएंगे।

धनु राशि-आज जीवन में सुविधाओं और संसाधनों में वृद्धि के संकेत हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव के बावजूद लाभ मिलने की संभावना बनी रहेगी। नए विचारों को व्यवहार में लाने का यह उचित समय हो सकता है।

मकर राशि-आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष ध्यान देना होगा। अनावश्यक विवादों और दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। परिवार के सदस्यों का सहयोग कठिन परिस्थितियों में आपका मनोबल बढ़ाएगा। पुराने अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

कुंभ राशि-आज व्यवसाय से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है। किसी भी साझेदारी या नए समझौते से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जांच कराने की आवश्यकता महसूस हो सकती है।

मीन राशि-आज आपके भीतर नई योजनाओं पर काम करने का उत्साह रहेगा। हालांकि किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचना आवश्यक होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और संतान की उपलब्धियों से प्रसन्नता होगी। भूमि या भवन खरीदने से जुड़ी योजना आगे बढ़ सकती है।

जिन इलाकों में लगे होते हैं खूब सारे पेड़, वहां बुजुर्ग आबादी रहती है डिप्रेशन से कोसों दूर: स्टडी में खुलासा

संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डिप्रेशन एक आम मानसिक विकार है। इससे दुनिया के लगभग 28.0 करोड़ लोग जूझ रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो दुनिया के 5.7 फीसदी बुजुर्ग डिप्रेशन से पीड़ित हैं। डिप्रेशन की वजह अनगिनत हैं, लेकिन हाल की एक स्टडी कैसे इससे बचा जा सकता है इस ओर ध्यान दिलाती है। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक लंबे समय तक चले अध्ययन में पाया गया है कि अधिक वृक्षों वाले इलाकों में रहने से बुजुर्गों में बढ़ती उम्र के दौरान अवसाद (डिप्रेशन) से बचाव में मदद मिल सकती है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने ऑस्ट्रेलिया की 'न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के सिडनी सेंटर फॉर हेल्दी ब्रेन एजिंग' (सीएचईबीए) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 'जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर्स' में प्रकाशित यह शोध स्वस्थ उम्र बढ़ने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अर्बन प्लानिंग की संभावित भूमिका को रेखांकित करता है। सीएचईबीए ने ऑस्ट्रेलियन कैथोलिक यूनिवर्सिटी के सहयोग से यह अध्ययन किया। इसमें 70 से 90 वर्ष की आयु के 1,000 से अधिक बुजुर्ग ऑस्ट्रेलियाई लोगों को शामिल किया गया और 12 वर्षों तक उनका अध्ययन किया गया। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने ऐसे इलाकों में जीवन बिताया जहां पेड़ों की छाया और हरियाली अधिक थी, उनमें समय के साथ अवसाद के लक्षण कम देखने को मिले शोधकर्ताओं ने यह जांच की कि आसपास के पर्यावरण से जुड़ी कौन-कौन सी चीजें जैसे पेड़ों की छतरी (ट्री कैनोपी), पार्क, समुद्र, नदियों और झीलों तक पहुंच, जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता और वायु प्रदूषण अवसाद के लक्षणों में बदलाव से जुड़ी हैं। अध्ययन में कहा गया कि लंबे समय तक अधिक पेड़ों वाले वातावरण में रहने का संबंध लगातार कम अवसाद स्तर से पाया गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि दुनिया भर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग हर पांच वयस्कों में से एक व्यक्ति अवसाद से प्रभावित होता है। हालांकि, अध्ययन में यह पाया गया कि अन्य पर्यावरणीय कारकों, जैसे पार्कों की उपलब्धता, समुद्र या जल क्षेत्रों (ब्लू स्पेस) तक पहुंच, सेवाओं की उपलब्धता या लंबे समय तक कम स्तर के वायु प्रदूषण के संपर्क का अवसाद के लक्षणों पर कोई स्पष्ट और लगातार प्रभाव नहीं दिखा। शोधकर्ताओं के अनुसार, शहरों में अधिक पेड़ लगाने और हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देने जैसी योजनाएं बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

साइबर ठगों ने मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाई नगदी

कोंच(जालौन)- मोबाइल हैक कर 9 हजार रुपए पार कर देने का साइबर क्राइम से जुड़ा एक मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति ने मामले की शिकायत पुलिस से कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अखनीबा निवासी एवं वर्तमान में मलंगा पुल रॉयल गार्डन कोंच के समीप रहने वाले ध्रुव कुमार पुत्र रामलखन ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पंजाब नेशनल बैंक की कोंच शाखा में बचत खाता है। बीती 24 जुलाई को उसके बचत खाते में ऑनलाइन माध्यम से 15 हजार रुपए प्राप्त हुए थे। उक्त रुपए में से उसने 6 हजार रुपए दूसरे बचत खाते में स्थानांतरित कर दिए थे जबकि शेष 9 हजार रुपए इसी बचत खाते में मौजूद थे। ध्रुव के अनुसार, उसी दिन किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल नंबर हैक कर उसके बचत खाते से 9 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। बचत खाते से रकम निकलने की जानकारी होते ही वह बैंक शाखा पहुंचा और अपनी शिकायत बताई। बैंक कर्मियों ने बताया कि मोबाइल हैक होने के कारण साइबर ठगों ने बचत खाते से रुपये निकाल लिए हैं। मामले को लेकर पीड़ित ध्रुव ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

सडक के किनारे उगी झाडियो से कांवडियो को विषैले जन्तुओ से खतरा

गोला गोकर्णनाथ खीरी- लोक निर्माण विभाग के सौजन्य से नव निर्मित हुए सिकंदरा बाद मार्ग से जडौरा से कोटवारा होते हुए गोला को जाने वाले 9 किलोमीटर लंबे मार्ग के दोनों तरफ झाड़ियां उग आने से वहां जंगली जानवरों का खतरा उत्पन्न हो गया है, क्षेत्र वासियों का कहना है कि दो दिन पूर्व सावन मेला शुरू हो रहा है। सिकंदराबाद मार्ग से आने वाले पदयात्री कांवरिया इसी मार्ग से गोला के शिव मंदिर में जलाभिषेक करने जाते हैं। जिससेवहां जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। क्योंकि यह मार्ग कोटवारा जंगल से होकर गुजरता है ।जहां जंगली जानवरों की भरमार है। फिर भी अब तक सड़क के दोनों ओर खड़ी झाड़ी की सफाई अब तक नहीं कराई गई है। क्षेत्र वासियों ने झाड़ी की सफाई शीघ्र कराने की मांग विभागीय अधिकारियों से की है। जेई लोक निर्माण विभाग नीरज पांडे का कहना है कि सावन मेला शुरू होने से पहले ही सड़क के किनारे उगी झाड़ी को साफ कराया जाएगा। जिसका मौके पर जाकर मुआयना किया जा जाचुका है।

रिटायर्ड फौजी अरविंद मिश्र ने शहादत देने बाले वीर सपूतो को किया नमन

गोला गोकर्णनाथ खीरी- दिनांक 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान पर अंतिम जीत हासिल की थी। कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले सभी वीरों को अलीगंज चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तदुपरांत अरविंद फौजी ने बताया सबूतों के पराक्रम से जो तिरंगा लहराकर विजय पताका फहराने वाले सभी धरती माता के वीर सपूतों को बारंबार प्रणाम, तिरंगा ऑपरेशनः इसे भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय नाम दिया गया था, जो लद्दाख के द्रास और कारगिल सेक्टर में लड़ा गया था। बलिदानः इस कठिन युद्ध में भारत के 527 वीर जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले सभी वीरों को अलीगंज चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई अमर सपूतों के पराक्रम से जो तिरंगा लहराकर विजय पताका फहराने वाले सभी धरती माता के वीर सपूतों को बारंबार प्रणाम आप सभी देशवासियों को विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सिंगाही में कोल्हू में चोरी, लगभग हजारो के उपकरण ले उड़े चोर

सिंगाही-खीरी। कस्बे में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने कस्बे के पूर्व सभासद जोगेंद्र कुमार शाक्य के गुड़ बनाने वाले कोल्हू को निशाना बनाते हुए लगभग 40 हजार कीमत के उपकरण चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार, सिंगाही- चिरकुवा-खैरीगढ़ पीडब्ल्यूडी मार्ग पर स्थित जोगेंद्र कुमार शाक्य के कोल्हू में शुक्रवार देर रात चोरों ने पीछे की ओर से नकब लगाकर स्टोर रूम में प्रवेश किया। इसके बाद चोर वहां रखे कोल्हू के महत्वपूर्ण पार्ट्स, जिनमें गरारी, शाफ्ट समेत अन्य उपकरण शामिल हैं, चोरी कर फरार हो गए। शनिवार सुबह जब कोल्हू मालिक अपने कारखाने पहुंचे तो स्टोर का सामान बिखरा मिला और उपकरण गायब थे। चोरी की जानकारी मिलते ही उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तत्काल सिंगाही पुलिस को दी गई। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

IAS रिंकू सामान लेकर पहुंचे तहसील

IAS रिंकू सिंह राही बोले- कक्ष नहीं मिला तो गेट पर डाल दूंगा चारपाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई। शासन को आधे काम का आधा वेतन देने को पत्र लिखकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने वाले आइएएस रिंकू सिंह राही का विवादों से नाता कम होने का नाम नहीं ले रहा। अभी पुरानी चर्चाओं की आंच ठंडी भी नहीं पड़ी है कि सोमवार को उनकी ओर से नवीन तहसील में कार्यालय कक्ष न मिलने पर हंगामा कर दिया गया। शाम को फाइलों के साथ अन्य साजो सामान लेकर वह पहुंचे और कहाकि जल्द कक्ष न मिला तो वह यहीं गेट पर चारपाई डाल कर लेट जाएंगे। नायब तहसीलदार पहुंचे और देर से पत्र मिलने का हवाला दिया। इसके बाद उनके लिए कक्ष उपलब्ध करा दिया गया। बिना काम के वेतन लेना नियम के विपरीत बता कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) से इस्तीफा देने वाले अधिकारी रिंकू सिंह राही को पांच मई को जालौन तहसील में एसडीएम के पद पर तैनाती मिली थी। जालौन ब्लाक प्रमुख रामराजा निरंजन के कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण को लेकर उनका विवाद हो गया था। जिसके बाद 30 जून को इनको एसडीएम न्यायिक उरई सदर के पद पर भेजा गया था। यहां नगरपालिका के कार्यों की जांच करने में ईओ राम अचल कुरील से विवाद हो गया। उसके बाद नौ जुलाई को उन्होंने शासन के नाम एक पत्र इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया जिसमें आधे काम पर आधा वेतन दिलाने की बात कही थी। अब सोमवार नवीन तहसील भवन में कार्यालय कक्ष के लिए वह अभिलेख व फर्नीचर आदि लेकर पहुंच गए। करीब दो घंटे कक्ष खुलने का इंतजार किया। बाद में कहा कि कुछ देर अगर कक्ष नहीं मिला तो वह सरकारी दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए परिसर में ही पलंग डालकर लेट जाएंगे। सदर तहसील नवीन भवन के निर्माण के चलते अस्थाई रूप से गल्ला मंडी परिसर में संचालित हो रही थी। अब तहसील भवन का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद स्थानांतरण का कार्य चल रहा है। एसडीएम न्यायिक रिंकू सिंह भी तहसील में कार्यालय के लिए कक्ष चाहते हैं ताकि वकीलों और वादकारियों को परेशानी न हो। सोमवार को लगभग चार बजे रिंकू सिंह अपने कार्यालय का सामान अभिलेख फर्नीचर आदि लेकर तहसील परिसर पहुंच गए। उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया लेकिन किसी ने उनके कार्यालय कक्ष के लिए किसी भी कमरे का ताला नहीं खोला। इससे क्षुब्ध होकर एसडीएम न्यायिक परिसर में ही टहलते रहे। शाम करीब सात बजे उन्होंने कहा कि अगर उनको कुछ देर और कार्यालय के लिए कक्ष नहीं मिलता है तो वे यहीं परिसर में फोल्डिंग डालकर लेटेंगे ताकि सरकारी अभिलेखों की सुरक्षा की जा सके। इस संबंध में नायब तहसीलदार राहुल ने कहा कि एसडीएम न्यायिक को कार्यालय कक्ष उपलब्ध करा दिया गया है।

सजेती थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी ने फांसी लगा दी जान

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती में 17 वर्षीया किशोरी ने साड़ी के सहारे फांसी लगा अपनी जान दे दी,, परिजनों ने शव को लटकते देखा तो पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, हालांकि कमरे में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, सजेती थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज भारती ने बताया कि किशोरी के फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका, पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है,, आपको बताते चलें कि सजेती थाना क्षेत्र के सिधौल गांव के रहने वाले नन्दू सचान परिवार के साथ रहते हैं, ऊनकी 17 वर्षीया बेटी हैं सुबह किशोरी को परिवार के लोग जगाने पहुंचे तो कमरे का दरवाजा नहीं खुला,और तब अंदर जाकर देखा तो साड़ी के फंदे के सहारे किशोरी लटकी हुई है, तों तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी, पुलिस मौके पर पहुंची,अभी सुसाइड की बजह साफ नहीं है,, पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

पाली रोड पर अज्ञात वाहन ने ई रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर,चालक समेत दो घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना नरवल क्षेत्र के पाली क्षेत्र के छतमरा स्थिति इंडियन आयल पेट्रोल पंप के सामने सोमवार सुबह ई-रिक्शा और अज्ञात वाहन की टक्कर में चालक समेत दो लोग घायल हो गए, सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जबकि हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया,और परिजनों को सूचना दी,, आपको बताते चलें कि पाली चौराहे से रामादेवी की ओर जा रहा था ई रिक्शा,, पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार सुबह करीब 07 बजें की हैं,सचेडी थाना क्षेत्र गांव लालभूला निवासी पंकज पुत्र प्यारेलाल ई-रिक्शा चला कर पाली चौराहे से रामादेवी की ओर जा रहा था, जैसें ही ई-रिक्शा छतमरा स्थिति इंडियन आयल पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा,तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में सीधी टक्कर मार दी,, टक्कर इतनी तेज़ थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए,और चालक समेत उसमें सवार दूसरा व्यक्ति सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे की खबर मिलते ही पाली चौकी प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार मिश्र पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे, पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से कांशीराम अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है,, पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी, वहीं पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है,ताकि टक्कर मारने वाले, अज्ञात वाहन और उसके चालक का सुराग लग सके।

180 वर्षों बाद असम में दुर्लभ पौधा 'रुंगिया मास्टर्सी' फिर मिला, केवल 40 पौधे मिले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। लगभग 180 वर्षों बाद असम में अत्यंत दुर्लभ वनस्पति प्रजाति 'रुंगिया मास्टर्सी' (Rungia mastersii) की पुनर्खोज हुई है। असम विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं की यह उपलब्धि पूर्वोत्तर भारत की जैव विविधता और वनस्पति विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। शोधकर्ता कंकन कुमार दास और प्रोफेसर देबज्योति भट्टाचार्य ने दीमा हसाओ जिले के जाटिंगा पहाड़ी क्षेत्र में एक झरने के समीप नम और छायादार चट्टानों की दरारों में इस दुर्लभ पौधे की पहचान की। इस खोज का विस्तृत विवरण वनस्पति विज्ञान की एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, वर्ष 1845 में ब्रिटिश वनस्पतिशास्त्री जे. डब्ल्यू. मास्टर्स ने असम की सुंदर नदी के किनारे स्थित एक अज्ञात क्षेत्र से इस पौधे का पहला नमूना एकत्र किया था। इसके बाद लगभग 180 वर्षों तक दुनिया में कहीं भी इस प्रजाति का कोई जीवित पौधा दर्ज नहीं किया गया। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) के संग्रहालय में भी इसका केवल एक सूखा संरक्षित नमूना उपलब्ध था, जिसके कारण यह प्रजाति वनस्पतिशास्त्रियों के लिए रहस्य बनी हुई थी। प्रोफेसर भट्टाचार्य के अनुसार, रुंगिया मास्टर्सी एकैंथेसी (Acanthaceae) कुल का झाड़ीदार पौधा है। इसकी ऊँचाई 60 से 110 सेंटीमीटर तक होती है और यह समुद्र तल से 900 से 1,250 मीटर की ऊँचाई वाले नम एवं छायादार क्षेत्रों में उगता है। इसके फूलों का ऊपरी भाग हल्के हरे या सफेद रंग का होता है, जिन पर बैंगनी रंग के महीन धब्बे दिखाई देते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि फिलहाल इस पौधे का केवल एक प्राकृतिक आवास चिन्हित किया गया है, जहां लगभग 40 पौधे मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की सूची में यह प्रजाति अभी 'नॉट इवैल्यूएटेड' श्रेणी में है, लेकिन इसकी अत्यंत सीमित संख्या को देखते हुए विशेषज्ञों ने तत्काल संरक्षण उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पुनर्खोज इस बात का संकेत है कि पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम के वन क्षेत्र, अब भी दुर्लभ और कम-अन्वेषित जैव विविधता का महत्वपूर्ण भंडार हैं। उनका कहना है कि इस प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए सरकारी स्तर पर निगरानी, आवास संरक्षण और वैज्ञानिक अध्ययन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बचत योजनाओं का होगा सत्यापन, चकरपुर उपडाकघर में लगेगा विशेष कैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पावर ग्रिड परिसर स्थित चकरपुर उपडाकघर में डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं से संबंधित खातों के सत्यापन के लिए 29 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष सत्यापन शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा। स्वाड चेयरमैन एवं सहायक अधीक्षक डाकघर (भ्रमण) कानपुर नगर मंडल एल.के. अग्रवाल ने बताया कि डाकघर की बचत योजनाओं से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की जांच के क्रम में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शिविर में बचत खाता, आवर्ती जमा (आरडी), सावधि जमा (टीडी), मासिक आय योजना (एमआईएस), वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस), लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), किसान विकास पत्र (केवीपी) तथा

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र सहित सभी बचत योजनाओं के खातों का सत्यापन किया जाएगा। डाक विभाग ने ऐसे सभी खाताधारकों से शिविर में पहुंचकर अपने खातों का सत्यापन कराने की अपील की है, जिनके खाते अब तक जांच दल द्वारा सत्यापित नहीं किए जा सके हैं। खाताधारकों से मूल पासबुक या प्रमाणपत्र, जमा-निकासी रसीदें (यदि उपलब्ध हों), आधार कार्ड अथवा अन्य वैध पहचान पत्र साथ लाने का अनुरोध किया गया है, ताकि जमा, निकासी एवं खातों के शेष धनराशि का सत्यापन किया जा सके।

मालगोदाम के निर्माण कार्य ने पकड़ी तेजी, सीसी सड़क के लिए हुई नापजोख

कोंच(जालौन)- कोंच में प्रस्तावित रेलवे मालगोदाम के निर्माण कार्य में तेजी आने लगी है। नई माललाइन के चालू होने के बाद अब परियोजना के अगले चरण के तहत संपर्क मार्ग के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सोमवार को रेलवे की ओर से नई लाइन के किनारे प्रस्तावित सीसी सड़क के लिए नापजोख और लेवलिंग का कार्य कराया गया।रेलवे स्टेशन के सामने मंडी परिसर की ओर विकसित किए जा रहे मालगोदाम के निर्माण के लिए विभिन्न कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जा रहे हैं। इससे पहले मालगाड़ियों की आवाजाही के लिए बिछाई गई नई लाइन को मुख्य रेल लाइन से जोड़कर चालू किया जा चुका है। निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियर प्रकाश कुमार ने बताया कि कंजड़ बाबा मंदिर की ओर से नई माललाइन के समानांतर करीब 500 मी. लंबी और लगभग 20 फीट चौड़ी सीसी सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ माल की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए प्लेटफॉर्म भी तैयार किया जाएगा। ठेकेदार सौरभ साहू ने बताया कि फिलहाल सड़क निर्माण से पहले भूमि की लेवलिंग और अन्य तकनीकी तैयारियां कराई जा रही हैं।

बड़ागांव नया पुरवा में महिला का शव फंदे से लटका मिला

लखीमपुर खीरी। जनपद के क्षेत्र पंचायत नकहा के ग्राम सभा बड़ागांव, नया पुरवा में शनिवार को एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।घटना की सूचना मिलते ही शारदा नगर थाना प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सैनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।फिलहाल मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस आत्महत्या और अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।पुलिस परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, प्राप्त तथ्यों और तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बिजली संकट से धान की सूख रही फसल

फसल बचाने किसानों ने एसडीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- खेतों में बोई गई धान की फसल में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति न मिलने से सिंचाई की समस्या सामने आने से परेशान भदेवरा और अटा गांव के तमाम किसानों ने सोमवार को एसडीएम को शिकायती पत्र देकर पर्याप्त मात्रा में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति दिलाए जाने की मांग की है। इससे पहले किसान चंदकुआं स्थित विद्युत कार्यालय भी पहुंचे और उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र कुमार के समक्ष अपनी शिकायत रखी। किसान आशीष कुमार, मनोज कुमार, सौरभ पटेल, अनिल कुमार, नरेश पटेल, राजू पटेल, भगतराम आदि ने एसडीएम अभिनव कुमार को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि खेतों में फसलों की सिंचाई के लिए वह निजी नलकूप संचालन के लिए वैध विद्युत कनेक्शन लिए हुए हैं। इन दिनों खेतों में धान की फसल बोई हुई है लेकिन पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब है। 24 घंटे में अधिकतम 4 घंटे ही बिजली मिल रही है जिससे फसल में सिंचाई नहीं हो पा रही है और फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है। यदि जल्द ही पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं की गई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मामले को लेकर किसानों ने एसडीएम से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

आदर्श लोक दल ने भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ कार्यवाही से खफा आदर्श लोक दल ने भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश का आदर्श लोकदल समाजवादी पार्टी की सरकार में कद्दावर पूर्व मंत्री रहे आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्व विद्यालय के साथ ही दिल्ली दंगे के आरोपित 6 साल से जेल में बंद शरजिल इमाम व उमर खालिद के पक्ष में मैदान में आ गया है। आदर्श लोकल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष समाज सेवी शाकिर अली अली उस्मानी ने इसके लिए यहां के जिलाधिकारी के माध्यम सेराष्ट्रपति को ज्ञापन भी भेजा है। राष्ट्रपति को भेजे गए इस ज्ञापन में हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग के मतदाताओं में चुनाव जीतने की हद तक मजबूत पकड़ रखने के साथ ही हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले, जन समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही अग्रणी जुझारू तेवरों वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल आदर्श लोक दल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने जौहर विश्वविद्यालय के 38 कमरों को डिमोलिस नहीं किये जाने के साथ ही जेल में बंद दिल्ली दंगे के आरोपी शरजिल इमाम व उमर खालिद को तत्काल रिहा किये जाने, दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा को दिल्ली दंगे का साजिशकर्ता और मुख्य आरोपी बताते हुए उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने, पूरे देश में गौहत्या पर और बीफ के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने ,मस्जिद, मजार, मदरसे व मकबरों को सरकारी जमीन बताकर उस पर चलाए जा रहे बुलडोजर को रोकने, चारागाहों व तालाबों को अवैध कब्ज से मुक्त कराकर पशुओं के चरने व पीने के लिए पानी की व्यवस्था किए जाने ,जाति व धर्म के आधार पर पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर तत्कालअंकुश लगाने आदि की भी मांग की है। आदर्श लोक दल के यूपी अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में आगे यह भी कहा है कि उत्तर प्रदेश के सभी इण्टर व डिग्री कालेज व विश्वविद्यालय नक्शे के अनुरूप नहीं बने हैं। ऐसे में उ0प्र0 सरकार के अधिकारियों द्वारा रामपुर के जिलाधिकारी, रामपुर विकास प्राधिकरण, बरेली मण्डल के मण्डलायुक्त द्वारा जानबूझ कर जो डिमोलिश का फरमान जारी किया हे, उसे तत्काल छात्रों के भविष्य को देखते हुए वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने अभी चेतावनी दी कि अगर उनकी यह सभी मांगेनहीं मानी गई तोउनका संगठन आदर्श लोकदल अपना आंदोलन तब तक जारी रखेगा जबतक उसकी सभी न्यायोचित मांगे पूरी नहीं हो जाएंगी।

सराफा दुकान चोरी में पुलिस को बड़ी सफलता के संकेत, गैर जनपदीय युवक से पूछताछ तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर, शाहजहांपुर। कपसेड़ा गांव स्थित सांवरिया सेठ ज्वेलर्स में हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में पुलिस जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। घटना के खुलासे के करीब पहुंची पुलिस ने एक गैर जनपदीय युवक को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू की है। प्रारंभिक पूछताछ में युवक से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने के बाद पुलिस चोरी गए सोने-चांदी और नकदी की बरामदगी के लिए लगातार दबिश दे रही है। गौरतलब है कि शहर के मोहल्ला मतानी निवासी कृष्ण वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि कपसेड़ा गांव में हाईवे किनारे स्थित उनकी सांवरिया सेठ ज्वेलर्स की दुकान का शटर तोड़कर चोर करीब आठ किलो चांदी, 23 ग्राम सोना और 98 हजार की नकदी समेट ले गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कई टीमों को खुलासे में लगाया था। रविवार को एसपी ग्रामीण दीक्षा भंवरे अरुण ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई थी और पुलिस टीम को शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान लखीमपुर खीरी निवासी एक युवक पर शक गहराया, जिसके बाद उससे अलग से गहन पूछताछ शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार, युवक से चोरी के माल को खपाने के नेटवर्क और जिन सराफा कारोबारियों तक माल पहुंचाया गया, उनके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश देकर चोरी गए जेवर और नकदी की बरामदगी का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान पुलिस इस पहलू को भी खंगाल रही है कि कहीं हिरासत में लिया गया युवक 10 जून को मोहनपुर गांव में रनवीर के घर हुई लाखों रुपये की चोरी में भी शामिल तो नहीं था। दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंधों को लेकर उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। सीओ विदुष सक्सेना ने बताया कि सराफा दुकान चोरी के मामले में एक गैर जनपदीय युवक से पूछताछ की जा रही है। साक्ष्य जुटाने और चोरी के माल की बरामदगी की कार्रवाई जारी है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने की जनसुनवाई दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई । जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गई तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

परमात्मा का नाम स्मरण ही प्राणिमात्र को भवसागर से पार कर देता है- विष्णुकांत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- प्रसिद्ध गुदरिया हनुमान मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा व्यास विष्णुकांत मिश्रा ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि सुदामा श्रीकृष्ण के गुरु भाई और परम भक्त हैं जिन्होंने बिना किसी कामना के परमात्मा में अडिग विश्वास रखते हुए उनकी भक्ति की। जन कल्याणार्थ संयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के दौरान कथा व्यास ने भगवान द्वारिकाधीश के विवाहों का वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने रुक्मिणी हरण भगवान द्वारिकाधीश के सत्यभामा, कालिंद्री, जामवंती आदि से भी विवाहों की कथा विस्तार से सुनाते हुए बताया कि इस प्रकार भगवान द्वारिकाधीश ने सोलह हजार एक सौ आठ विवाह किए। उन्होंने सुदामा चरित्र का मार्मिक चित्रण कर श्रोताओं को भावुक कर दिया। कहा कि भगवान द्वारिकाधीश और सुदामा की मित्रता मानव मात्र को निश्छल मैत्री संबंधों के साथ आदर्श मित्रधर्म की भी शिक्षा देती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा का नाम स्मरण ही कलिकाल में प्राणिमात्र को भवसागर से पार कर देता है। जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार अनाचार और दुष्प्रवृत्तियां सिर उठाते हैं तब परमात्मा किसी न किसी रूप में इस धरा पर अवतार धारण करते हैं। कथा व्यास बताते हैं कि परमात्मा का वास सब जगह है, बस जरूरत है उसे पहचानने की, जो भी उसे सच्चे मन से याद करता है उसे वे अवश्य ही दर्शन देते हैं। कथा विश्राम पर परीक्षित ऊषा राधेकृष्ण श्रीवास्तव ने भागवत जी की आरती उतारी, तदोपरांत प्रसाद वितरित किया गया।

पीएसी से रिटायर कर्मी के घर में 21 लाख की चोरी का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीएसी के रिटायर्ड कर्मचारी के बंद घर में ताला तोड़कर 21 लाख की चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने सम्पूर्ण माल बरामद कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि 21/7 को थाना हनुमंत विहार के अंतर्गत बगजौरी गांव में सुबह एक पीएसी से रिटायर्ड फ़ूल सिंह के घर में जब उनके बहु और बेटे घर में ताला लगाकर जानवरों को चारा देने के लिए निकल गये तभी इन चोरों ने उनके घर का ताला तोड़ा और लगभग 21 लाख की ज्वैलरी, व नकदी चुराकर ले गए। इसके बाद मुकदमा लिखकर पुलिस की तीन टीमें बनाई गई और तमाम सीसीटीवी की मदद से पुलिस अभियुक्तों के घर पहुंची और सफल अनावरण करते हुए 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया तथा चोरी गया शत-प्रतिशत माल बरामद किया। अभियुक्तों की पहचान पवन उर्फ रवि चौरसिया एवं राहुल कनौजिया के रूप में हुई है। ये दोनों पूर्व में जेल में बंद थे तभी इन दोनों की दोस्ती हुई थी। दोनों के विरुद्ध कानपुर सहित विभिन्न जनपदों में चोरी एवं अन्य अपराधों के अनेक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने त्रिनेत्र सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी के जेवरात, नकदी एवं अन्य सामान बरामद किया। अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पीडब्ल्यूडी अधिकारी आफिस में बैठकर लगा रहे फर्जी रिपोर्ट

स्थलीय निरीक्षण के बिना 'कार्य पूर्ण' का जवाब - दिनेश यादव दादा ने जिलाधिकारी से की जांच की मांग

भदोही। सुरियावां क्षेत्र के ग्राम सनाथपट्टी निवासी युवा समाजसेवी दिनेश यादव दादा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अधिकारी मौके पर निरीक्षण किए बिना ही आफिस में बैठकर फर्जी निस्तारण रिपोर्ट लगा रहे हैं। दिनेश यादव ने बताया कि उन्होंने आईजीआरस पोर्टल पर पाली-सुरियावां मार्ग और सनाथपट्टी-महदेपुर मार्ग की बदहाली को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के निस्तारण में अधिशासी अभियन्ता, लो0नि0वि0, ज्ञानपुर द्वारा पत्र भेजकर बताया गया कि 'स्थलीय निरीक्षण कर कार्य पूर्ण पाया गया '। जबकि हकीकत यह है कि आज तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं आया केवल फोन पर बात की गयी और सड़कों की स्थिति जस की तस है।दिनेश यादव ने कहा कि 'यह जनता के साथ धोखा है। शासन को गुमराह कर फर्जी रिपोर्ट लगाकर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा रहा है। ' उन्होंने जिलाधिकारी भदोही से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। अन्यथा वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

जाहिद बेग के बयान पर गोरेलाल का पलटवार, बोले- दोषी बचेंगे नहीं, जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री से करेंगे मुलाकात

भदोही। काशी नरेश विश्वविद्यालय में छात्र प्रदर्शन के बाद दर्ज मुकदमे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी विधायक जाहिद बेग द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने के बाद भाजपा नेता एवं पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष विनय कुमार पांडेय 'गोरेलाल' ने पलटवार किया है। गोरेलाल ने कहा कि वह स्वयं छात्रसंघ के निर्वाचित पदाधिकारी रह चुके हैं और छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करते हैं। उनका कहना है कि छात्र विश्वविद्यालय के गेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, जबकि उनके साथ हुई घटना विश्वविद्यालय से करीब 200 मीटर दूर हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के लोगों ने उनके साथ बदसलूकी की, अभद्र भाषा का प्रयोग किया, मारपीट की और उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनकी तहरीर के साथ-साथ स्थानीय पुलिस की तहरीर पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। गोरेलाल ने कहा कि घटना में शामिल दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, जबकि निर्दोष लोगों को फंसाया भी नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम से उन्हें अवगत कराएंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे।

पिकनीक मनाने गए युवक की डूबने से मौत

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र में अभी पिछले रविवार को दो लोगों की डूबने से मौत हुई थी, फिर भी सिख ना लेते हुए लोग लापरवाही से झरने नदी नहर में लोग लापरवाही से नहाने धोने में चूक नहीं रहे हैं। वाराणसी से अपने मित्रों के साथ आया युवक राहुल पुत्र विजय उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी लहरतारा वाराणसी रविवार को अहरौरा बांध पर पिकनिक मनाने आया था। बांध से गरई नदी के लिए पानी छोड़ा जा रहा है जिसमें स्नान करने के लिए चला गया। तेज बहाव पथरीली चट्टान की वजह से युवक की डूबने से मौत हो गई। साथ में आए पिकनिक मनाने वाले संगी साथी वहां से भाग खड़े हुए। लोगों ने 112 नंबर पर इसकी सूचना प्रशासन को दिया। रात होने की वजह से शव बरामद नहीं हो सका, सुबह स्थानियों की मदद से प्रशासन ने शव बरामद कर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। मृतक परिवार में दो भाइयों में छोटा था मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है।

अंजनी शुक्ल बने शिक्षक एमएलसी चुनाव के भदोही प्रभारी

भदोही। समाजवादी पार्टी ने वाराणसी-मिर्जापुर खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने अंजनी कुमार शुक्ल को भदोही जनपद का प्रभारी नियुक्त किया है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार अंजनी कुमार शुक्ल शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी लाल बिहारी यादव के समर्थन में भदोही में चुनावी अभियान का संचालन करेंगे। साथ ही उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों के समन्वय और शिक्षक मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने अंजनी कुमार शुक्ल को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी और शिक्षक एमएलसी चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों हेतु दीक्षा कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चुनार में सोमवार को 'दीक्षा कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एन. के. दुबे,बनारस हिंदू विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) पी. एन. डोंगरे पूर्व प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।?कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या प्रो. (डॉ.) माधवी शुक्ला ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नवागत विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार में आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, निरंतर अध्ययन और नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। दीक्षा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एन. के. दुबे ने 'अंडरस्टैंडिंग इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्सः टाइप्स एंड फाइलिंग' (बौद्धिक संपदा अधिकारः प्रकार एवं फाइलिंग) विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को पेटेंट, ट्रेडमार्क और बौद्धिक संपदा के संरक्षण व फाइलिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। इस दौरान प्रो. (डॉ.) एन. के. दुबे द्वारा लिखित पुस्तक 'फ्लोरा ऑफ बी. एच. यू.कैंपस' को विद्यार्थियों हेतु प्राचार्या प्रो. (डॉ.) माधवी शुक्ला को भेट किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. पी. एन. डोंगरे ने 'नो वन कैन मोटिवेट यू' (कोई आपको प्रेरित नहीं कर सकता) विषय पर अपना विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने छात्रों को स्व-प्रेरणा और आंतरिक अनुशासन का महत्व समझाया। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान संकाय प्रवेश संयोजक डॉ. संकटा प्रसाद सोनकर ने विज्ञान वर्ग के सभी विषयों के साथ-साथ विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और मार्गदर्शन किया। वहीं डॉ. अमित यादव ने वाणिज्य विषय के महत्व, भविष्य की संभावनाओं और करियर के अवसरों के बारे में जानकारी साझा की। इसी क्रम में नशा उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. शिखा तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री चंदन साहू के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर प्रवेश समन्वयक प्रो. (डॉ.) कुसुम लता, के साथ्ङ्साथ महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नवागत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रजापति समाज की सेवा भावना अनुकरणीयः विधायक विपुल दुबे

भदोही। ज्ञानपुर में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक विपुल दुबे ने कहा कि प्रजापति समाज हमेशा सेवा, समर्पण और सद्भाव की भावना से कार्य करता रहा है। उन्होंने समाज की समस्याओं के समाधान और सम्मान की रक्षा का भरोसा दिलाया। समारोह में महाराजा दक्ष प्रजापति के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा और सामाजिक एकजुटता पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहन श्रीमाली सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

भदोही पहुंचे राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य सतेन्द्र बारी

पैतृक गांव किशुनदेवपुर में किया पौधरोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही । उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य सतेन्द्र बारी सोमवार को अपने पैतृक गांव किशुनदेवपुर (जगुनंदनपट्टी) पहुंचे, जहां उन्होंने बारी बगीचा में आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने का आह्वान किया। सतेन्द्र बारी ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। स्वच्छ वातावरण, शुद्ध हवा और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए वृक्षारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि पिछले वर्ष लगाए गए पौधों की 'वर्षगांठ' मनाकर उनके संरक्षण का संकल्प लें, जिससे पौधों के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़े। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने डीजे और गाजा-बाजा के साथ उनका भव्य स्वागत किया तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि सतेन्द्र बारी का पैतृक गांव भदोही जिले का किशुनदेवपुर है, हालांकि वर्तमान में वह वाराणसी में निवास करते हैं। प्रदेश में चल रहे व्यापक वृक्षारोपण अभियान के तहत उन्होंने अपने पैतृक गांव में पौधरोपण कर अभियान को नई गति देने का प्रयास किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान छबिनाथ यादव, आरएफओ राहुल सिंह कौशिक, डिप्टी रेंजर मुकुंद मिश्रा, वन दरोगा प्रभात सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न, दुर्घटना रोकथाम एवं यातायात सुरक्षा पर विशेष जोर

अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में की गयी। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा यातायात संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका परिषद क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज से वर्षा का पानी सीधे सड़क पर गिरने की समस्या का समाधान कराया जाए। इसके लिए प्रभावी पाइपलाइन की व्यवस्था कर पानी का सुरक्षित निकास सुनिश्चित किया जाए, जिससे आवागमन सुचारु रहे और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। उन्होंने सड़कों के किनारे बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत कराने के भी निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि परिवहन, पुलिस एवं शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियमित रूप से यातायात जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि जनपद के सभी दुर्घटना बहुल (ब्लैक स्पॉट) स्थलों पर आवश्यक चेतावनी एवं संकेतक बोर्ड लगाए जाएं, ताकि वाहन चालकों को समय रहते सतर्क किया जा सके। साथ ही सड़क सुरक्षा संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), जिला अबकारी अधिकारी, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड शैलेश ठाकुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मासूम को मिला जीवनदान की उम्मीद

भदोही। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत सोमवार को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित एक चार माह के मासूम को निःशुल्क शल्य चिकित्सा के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया। मासूम सुरियावां ब्लॉक के पूरे मनोहर गांव निवासी अखिलेश साहू और रानी गुप्ता का पुत्र है। परिजनों के अनुसार, 14 अप्रैल 2026 को जन्म के बाद से ही बच्चा लगातार बीमार रहता था। जांच में उसके हृदय में छेद (होल इन हार्ट) होने की जानकारी मिली। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च वहन कर पाना परिवार के लिए संभव नहीं था। इसके बाद सुरियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करने पर उन्हें राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी मिली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर बच्चे को निःशुल्क उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है। डॉ. एस.के. चक ने बताया कि बच्चे के हृदय में छेद है और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उसका उपचार एवं शल्य चिकित्सा पूरी तरह निःशुल्क कराई जाएगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को बड़ी राहत मिली है।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

सुल्तानपुर में अभिषेक राणा बोले-विज्ञान और सादगी से बढ़ाया भारत का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर में भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा और गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अंसारी सहित पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नेताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यालय में आयोजित गोष्ठी में डॉ. कलाम के प्रेरणादायी व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने साधारण परिवार से निकलकर अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से विश्वभर में भारत का गौरव बढ़ाया।

एक महान वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने देश की रक्षा क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राष्ट्रपति के रूप में अपनी सादगी, ईमानदारी और संवेदनशीलता से उन्होंने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया। डॉ. कलाम का मानना था कि बड़े सपने देखने वाले ही बड़े लक्ष्य हासिल करते हैं। उन्होंने युवाओं को शिक्षा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरित किया। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, विज्ञान और मानवता के प्रति समर्पित रहा। अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों, विचारों और मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने एक मजबूत, शिक्षित, वैज्ञानिक सोच वाले और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। डॉ. कलाम का व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव देशवासियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। कांग्रेस नेता सुब्रत सिंह सनी ने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के बल पर कोई भी व्यक्ति देश और समाज के लिए बड़ी भूमिका निभा सकता है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुरेन्द्र शुक्ला, लाल पदमाकर सिंह, सलाहुद्दीन हाशमी, शारिक अल्वी, ममनून आलम, मोहित तिवारी, इमरान अहमद, दिनेश तिवारी, दिनेश मिश्र, रब्बन हाशमी और दिव्यांशु ओझा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

निषाद पार्टी ने आरक्षण की मांग पर अभियान छेड़ा

सुल्तानपुर में अभिषेक राणा बोले-विज्ञान और सादगी से बढ़ाया भारत का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर में निषाद पार्टी ने सोमवार को भाजपा विधायक सीताराम वर्मा के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सचिव केस कुमारी निषाद के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आरक्षण की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा। यह अभियान निषाद समाज के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। निषाद पार्टी की राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देशानुसार, प्रदेश के सभी 75 जिलों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य निषाद समाज (जिसमें बिंद, माझी, मझवार, केवट, मल्लाह आदि शामिल हैं) को आरक्षण दिलाना है। पार्टी पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायकों को ज्ञापन सौंप रही है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानमंडल सत्र के दौरान सभी विधायक निषाद समाज के आरक्षण के मुद्दे पर सदन में अपनी आवाज उठाएं। पार्टी चाहती है कि विधायक इस विषय पर कम से कम दो शब्द बोलकर सरकार को इस दिशा में निर्णय लेने के लिए प्रेरित करें। पार्टी नेता ने चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की मांगें पूरी नहीं की जाती हैं, तो निषाद पार्टी उग्र धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। सुलतानपुर में, निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सदर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक सीताराम वर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को अपनी मांगों और मुद्दों से संबंधित एक ज्ञापन पत्र सौंपा। इस दौरान निषाद पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक पारंपरिक लाल टोपी और पार्टी का झंडा लिए मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने निषाद समाज और पार्टी से जुड़े विभिन्न विषयों तथा स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की और विधायक से उन पर उचित कार्रवाई का अनुरोध किया। इस अवसर पर बृजलाल वर्मा (प्रदेश सचिव), रामलाल निषाद (प्रदेश सचिव), महेश निषाद (प्रदेश सचिव), राजेश निषाद (जिला अध्यक्ष), रमेश निषाद (संगठन जिला अध्यक्ष), डॉ. अमरबहादुर निषाद (युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष), आनंद निषाद (जिला महासचिव), जगदीश निषाद (विधानसभा अध्यक्ष), हरीराम निषाद (विधानसभा अध्यक्ष), प्रियंका निषाद, उमा देवी निषाद और शिव बहादुर निषाद सहित कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएपी, यूरिया की कालाबाजारी एवं जातीय जगणना को लेकर जन अधिकार पार्टी ने किया धरना- प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रावर्ट्सगंज/सोनभद्र- सोमवार दिनांक 27 जुलाई 2026 दिन सोमवार को जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा एवं संस्थापक सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के निर्देशानुसार प्रदेश व्यापी कार्यक्रम के क्रम में जातीय जगणना, किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराए जाने सहित अन्य मांगो को लेकर जन अधिकार पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने जुलूस के शक्ल में नारेबाजी करते हुए जिला अधिकारी कार्यालय पहुंच नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी सोनभद्र को सौंपा।

इस दौरान प्रदेश प्रमुख महासचिव (उ0 प्र0) डॉ भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि देश में अनेकानेक जातीय निवास करती है परन्तु कुछ जातियों को छोड़कर अधिकतर जातियों को आजादी के उन्यासी साल बाद भी उनको बराबरी का अधिकार नहीं मिल पाया इसलिए जन अधिकार पार्टी की चाहत है कि देश में जाती जनगणना कराकर प्रत्येक जाति को उसकी संख्या के अनुपात में जीवन के हर क्षेत्रों में उसकी हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाए जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति के होठों पर मुस्कान दिख सके । आगे श्री मौर्य ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी कंपनियों के हाथ कौड़ियों के भाव बेचा जा रहा है जिससे देश की अपूर्णीय क्षति हो रही है जिस पर तत्काल रोक लगाया जाए नहीं तो देश खोखला हो जाएगा ।जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा की वर्तमान समय किसानों के खेती का प्रमुख समय है परंतु किसान डीएपी यूरिया के लिए दर दर की ठोकर खा रहा है साथ ही 1350 की डीएपी 2200 और 266 की यूरिया 400 से 600 में खरीदने को मजबूर है जिससे किसान कालाबाजारी का शिकार हो रहा है जिस पर तत्काल रोक लगाते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए जिससे किसानों का शोषण बंद हो सके। जिसके क्रम में जिला महासचिव रविरंजन शाक्य एवं महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष कुसुम मौर्य ने कहा कि पेट्रोल - डीजल पर अधिरोपित टैक्स को केंद्र व राज्य सरकार कम करे जिससे पेट्रोल-डीजल सस्ता हो सके साथ ही बढ़ी हुई कीमतें वापस की जाए एवं सामान्य वर्ग की तरह पिछड़े वर्ग को भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाए। प्रदर्शनकारियों ने सोनभद्र में आदिवासियों की जमीनों का अधिग्रहण कर प्राइवेट कम्पनियों को दिए जाने का जमकर विरोध करते हुए रोक लगाए जाने की मांग किया। इस दौरान जिला महासचिव रविरंजन शाक्य, बलिराम मौर्य प्रधान, मनोज मौर्य, चंद्रमा सिंह, बिहारी सिंह, अवधेश सिंह, भागवत सिंह,जय सिंह मौर्य, बासुदेव सिंह, राकेश कुमार, रमाशंकर, अभय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिये त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए।उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई।

जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राजस्व वादों, अंश निर्धारण एवं कृषक दुर्घटना बीमा प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ अंश निर्धारण, कृषक दुर्घटना बीमा योजना की पत्रावलियों तथा विभिन्न राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति को समयबद्ध न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अंश निर्धारण, कृषक दुर्घटना बीमा योजना के प्रकरणों तथा राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाई जाए और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि आमजन को समय पर न्याय मिले तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान हो। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा में उनका निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक दो दिवस पर इन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यदि किसी अधिकारी के स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप जनहित के मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

एससी आरक्षण की मांग पर निषाद पार्टी का शक्ति प्रदर्शन, विधायक को सौंपा ज्ञापन

भदोही। अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण की मांग को लेकर सोमवार को ज्ञानपुर में निषाद पार्टी ने शक्ति प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकालकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे को सौंपा। इस दौरान विधायक भी कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे। कार्यक्रम में निषाद पार्टी के नेताओं ने कहा कि निषाद समाज को उसका संवैधानिक अधिकार और आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से समाज की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। इस अवसर पर पार्टी के आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष मिठाईलाल केवट ने वीआईपी प्रमुख मुकेश साहनी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि निषाद समाज को पहचान, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी दिलाने का काम डॉ. संजय निषाद ने किया है। उन्होंने कहा कि जो समाज के हित में कार्य करेगा, निषाद समाज उसी के साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि एससी आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा और समाज अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करता रहेगा।

योगी सरकार के प्रयासों से बदली सोनभद्र के स्कूलों की तस्वीर

900 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास से आसान हुई पढ़ाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से जनपद सोनभद्र के 10 विकास खंडों के 900 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित की जा रही हैं। इस पहल से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और रोचक शिक्षा उपलब्ध हो रही है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि संपर्क फाउंडेशन की एसटीवी डिवाइस में नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप एनसीईआरटी और एससीईआरटी से अनुमोदित शैक्षणिक सामग्री पहले से ही उपलब्ध रहती है। यह सामग्री आकर्षक एनीमेशन, चित्रों, वीडियो और गतिविधियों के माध्यम से तैयार की गई है, जिससे बच्चों की विषयों में रुचि बढ़ती है और कठिन अवधारणाएं भी आसानी से समझ में आ जाती हैं। इस डिवाइस के संचालन के लिए इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने बताया कि बच्चों को अब डिजिटल माध्यम से सीखने का अवसर मिल रहा है। शिक्षक भी कक्षा में ऑडियो-वीडियो सामग्री की सहायता से पढ़ाई को अधिक रोचक बना रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों की उपस्थिति, सहभागिता और सीखने की क्षमता पर भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लास शुरू होने के बाद बच्चों का पढ़ाई के प्रति उत्साह काफी बढ़ा है। एनीमेशन और दृश्य सामग्री के माध्यम से पढ़ाए जाने वाले पाठ बच्चों को लंबे समय तक याद रहते हैं। गणित, विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषय अब पहले की तुलना में अधिक सरल और मनोरंजक बन गए हैं। बच्चे भी पूरे मनोयोग से कक्षाओं में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया का आनंद उठाते हैं।

स्मार्ट क्लास से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की शुरुआत

प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल सोनभद्र के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षकों और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिल रहा है, जिससे आने वाले समय में उनके शैक्षणिक स्तर में और अधिक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अमृतसर में हथियार व हेरोइन के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित अवैध हथियार और मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पांच पिस्तौल, 2.015 किलोग्राम हेरोइन तथा पांच लाख रुपये की मादक पदार्थ तस्करी की रकम बरामद की गई है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर राज्य को सुरक्षित बनाने के अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सीमा पार से अवैध हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय थे। पूरे नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर के नवी आबादी निवासी बिट्टू कुमार उर्फ भैया (20), फतेह सिंह कॉलोनी निवासी साहिब सिंह (21), तरनतारन के पिंक कॉलोनी निवासी संजीव कुमार उर्फ नन्नू (22) तथा अमृतसर के गांव छिदन निवासी संदीप कुमार उर्फ सनी (22) के रूप में हुई है। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले बिट्टू और साहिब सिंह को एक पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया।

लूटने को कैब बुक की, ड्राइवर का गला रेता; शव पर बैठ नाबालिग बदमाश ने चलाई थी डेढ़ किलोमीटर कार

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में नाबालिग बदमाश बैखोफ हो गए हैं। बृहस्पतिवार रात मास्टरप्लान रोड पर एक नाबालिग ने लूट के लिए चलती कैब में अपने तीन साथियों के साथ मिलकर चाकू से चालक का गला रेत दिया। वारदात के वक्त रोड पर भीड़ थी। शव ड्राइविंग सीट पर रहा। नाबालिग शव की गोद में बैठा और कैब दौड़ा दी। डेढ़ किलोमीटर तक कैब चलाई। शराब के नशे में होने की वजह से नाबालिग ने कैब को एक कार में ठोक दिया। पकड़े जाने के डर से चारों बदमाश भाग गए। पुलिस ने कैब चालक विजय कुमार की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए नाबालिग समेत तीन बदमाशों को पकड़ लिया। गिरफ्तार बालिग बदमाशों की पहचान सीलमपुर निवासी अयान व साहिल के रूप में हुई है। अयान पर लूट समेत कई धाराओं में चार आपराधिक केस दर्ज हैं। नाबालिग भी आपराधिक प्रवृत्ति का है। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि बृहस्पतिवार रात नौ बजे सूचना मिली थी कि स्वर्ण सिनेमा के पास एक कैब में ड्राइविंग सीट पर चालक का शव खून से लथपथ हालत में शव पड़ा है। गले को किसी धारदार वस्तु से रेता हुआ है। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया था कि चार लोगों को कैब से उतरकर भागते हुए देखा है। कृष्णा नगर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया।

आज भदोही आएंगे प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा, कलेक्ट्रेट में करेंगे समीक्षा बैठक

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा का मंगलवार को भदोही दौरा प्रस्तावित है। दौरे के दौरान वह कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 1 बजे कोर कमेटी की बैठक, 1:30 बजे जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक तथा 2 बजे जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित होगी। इन बैठकों में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिला प्रशासन ने प्रभारी मंत्री के दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

समझौता टूटा तो फिर सड़कों पर उतरेंगे

सीजेपी ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ FIR वापस न लेने पर फिर से आंदोलन शुरू करने की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोमवार को चेतावनी दी कि यदि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर तुरंत वापस नहीं ली गई और हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा नहीं किया गया तो संगठन फिर से अपना आंदोलन शुरू कर सकता है। रांका ने केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को टैग करते हुए एक्स पर पोस्ट किया- सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करने का आश्वासन तोड़ा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दिल्ली और अन्य राज्यों में कई लोगों पर निगरानी रखी जा रही है या उन्हें परेशान किया जा रहा है।

प्रदर्शन पर फिर से बैठने के लिए होंगे मजबूर: आशुतोष रांका

रांका ने कहा कि सीजेपी को फिर से प्रदर्शन पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ेगा यदि सरकार उनकी मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं करती। उन्होंने मांग की कि सभी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर वापस ली जाएं, छात्रों को रिहा किया जाए और भविष्य में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों या भाजपा समर्थित राज्यों की पुलिस द्वारा कोई नई एफआईआर न दर्ज की जाए। रांका ने कहा कि सरकार के साथ हुई लिखित समझौते की प्रति उन्हें कल तक सौंपी जाए और समयसीमा का पालन किया जाए। यह बयान बिहार में 22 और 25 जुलाई के प्रदर्शनों के बाद जारी कानूनी कार्रवाई के बीच आया है, जहां वकीलों का दावा है कि राज्य के विभिन्न थानों में लगभग 200 लोग अभी भी हिरासत में हैं।

कपिल सिब्बल ने छात्रों को कानूनी मदद देने का लिया फैसला

वहीं, सीजेपी ने वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की। कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्होंने सीजेपी के छात्रों को कानूनी सहायता देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज होंगे, वहां-वहां उन्हें कानूनी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की, ताकि कानूनी लड़ाई प्रभावी ढंग से लड़ी जा सके। उन्होंने अन्य लोगों से भी इस उद्देश्य के लिए आर्थिक सहयोग करने की अपील की। सिब्बल ने आशंका जताई कि दिल्ली पुलिस चेहरे की पहचान (फेशियल रिकग्निशन) तकनीक के जरिए प्रदर्शनकारियों की पहचान कर उन्हें निशाना बना सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे मामले में सांप्रदायिक (कम्युनल) रंग जोड़ने की कोशिश भी की जा सकती है।

छात्रों को प्रताड़ित या टारगेट न किया जाए: कपिल सिब्बल

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आंदोलन में शामिल छात्रों को किसी भी तरह से प्रताड़ित या टारगेट न किया जाए। प्रेसवार्ता में सीजेपी ने सरकार से छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को तत्काल वापस लेने और आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की मांग की।

कंगना का CJP पर तीखा हमला

GenZ के प्रदर्शन में अभद्र भाषा पर बोलीं, इनकी रील्स देखकर आ रही उल्टी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों की इंस्टाग्राम रील्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन रील्स को 'प्यूक इंड्यूसिंग' (उल्टी आने वाला) बताया। इसके बाद से सांसद के इस बयान पर पक्ष और विपक्ष दोनों तरह के कमेंट आने शुरू हो गए हैं। दरअसल, प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों की अभद्र भाषा और व्यवहार को लेकर पूरे देश में रोष जताया जा रहा है। मंडी से सांसद कंगना रानौत ने सोमवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'वे जिस तरह बोल रहे हैं और जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, मैंने कभी अपनी जिंदगी में हर फ्रेम में इतना विवादित और भद्दा सब कुछ एक साथ नहीं देखा... ईव्व, इन्हें कौन जन्म दे रहा और पाल रहा है?' उन्होंने आगे सीजेपी के 'कॉकरोच' प्रतीक पर भी निशाना साधते हुए लिखा, 'आप खुद को कॉकरोच कहते हो और वैसा ही दिखते-व्यवहार करते हो। इसमें कोई विरोधाभास नहीं है, बस दुनिया को अपनी गंदगी, कचरा और बदसूरती का सामना करा रहे हो।' कंगना ने अपनी स्टोरी के अंत में कहा, 'मैं इन रील्स से घायल हो गई हूं।' यह बयान सीजेपी द्वारा आंदोलन समाप्त करने के कुछ दिन बाद आया है। छात्रों के बड़े आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने उनकी मुख्य मांग मान ली थी, जिसके चलते तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने वरिष्ठ भाजपा नेता प्रह्लाद जोशी को नया शिक्षा मंत्री बनाया। सीजेपी ने जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों को जुटाकर नीट पेपर लीक सहित परीक्षा सुधारों को लेकर प्रदर्शन किया था। आंदोलन समाप्त होने के बावजूद कुछ राज्यों में मुकदमे और गिरफ्तारियों को लेकर विवाद जारी है। कंगना रानौत का यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है, जहां जेनजी प्रदर्शनकारियों के भाषा, अंदाज और प्रतीकों पर बहस छिड़ गई है।

जालंधर में आईईडी के साथ बब्बर खालसा का ऑपरेटर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़/जालंधर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक ऑपरेटर को जालंधर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1.3 किलोग्राम विस्फोटक से भरा एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, इससे राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर राज्य को सुरक्षित बनाने के अभियान के तहत काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर ग्रामीण पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित बीकेआई मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जालंधर के आदमपुर क्षेत्र के गांव पड़ियाना निवासी सतबीर सिंह के रूप में हुई है। उसके पास से आईईडी के अलावा एक प्लेटिना मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। डीजीपी ने बताया कि बरामद आईईडी में 1.3 किलोग्राम उच्च क्षमता का विस्फोटक, छर्रे और बॉल बेयरिंग लगे हुए थे। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़े आतंकी खतरे को टाल दिया गया और कई निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सकी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विदेशी संचालकों के निर्देश पर आतंकी मॉड्यूल को विस्फोटकों की खेप मिली थी। गुप्त सूचना के आधार पर गांव धंडौर में संयुक्त जांच चौकी लगाकर सतबीर सिंह को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके बैग से आईईडी बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में विदेशी संचालकों, स्थानीय सहयोगियों और पूरे आतंकी नेटवर्क की पहचान के लिए जांच जारी है। इस संबंध में पटारा थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तथा आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रिपल एम स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

होशियारपुर। ट्रिपल एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने विभिन्न विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के दम पर कई स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल किए। वॉलीबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि खो-खो अंडर-19 टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। रस्साकशी प्रतियोगिता में अंडर-19 और अंडर-14 दोनों टीमों ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किए। बैडमिंटन अंडर-19 बालिका वर्ग में विद्यालय की छात्राओं ने प्रथम स्थान हासिल किया। कराटे प्रतियोगिता में रिद्धि ने अंडर-19 वर्ग में प्रथम, चेतन ने अंडर-14 वर्ग में प्रथम तथा बवनूर ने अंडर-14 वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूडो प्रतियोगिता में परिनूर ने प्रथम, नविका, मान्या और हरनीत ने द्वितीय तथा यशिका ने तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

गुलज़ार ग्रुप के दीक्षांत समारोह में छात्रों को मिली डिग्रियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद आज लुधियाना के गुरु नानक देव भवन के ऑडिटोरियम में गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के 14वें सालाना कॉन्वोकेशन सेरेमनी में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर, उन्होंने अलग-अलग कोर्स सफलतापूर्वक पूरे करने वाले स्टूडेंट्स को डिग्री बांटी और खास तौर पर उन मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जिन्होंने पढ़ाई में बेहतरीन अचीवमेंट हासिल की। फंक्शन को एड्रेस करते हुए, कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने डिग्री पाने वाले सभी स्टूडेंट्स, उनके पेरेंट्स और टीचर्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह सिर्फ़ डिग्री लेने का समारोह नहीं है, बल्कि ज़िंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहाँ स्टूडेंट्स को समाज और देश की तरक्की के लिए अपनी नॉलेज, स्किल्स और काबिलियत को समर्पित करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी इंसान को सिर्फ़ नौकरी के काबिल ही नहीं बनाती, बल्कि उसे एक ज़िम्मेदार और संवेदनशील नागरिक के तौर पर भी तैयार करती है। उन्होंने कहा कि आज का समय तेज़ी से बदलती टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और ग्लोबल कॉम्पिटिशन का है। ऐसे दौर में लगातार सीखना, नए आइडिया अपनाना, रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान देना और ऊँचे नैतिक मूल्यों को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाना ही कामयाबी की असली चाबी है। उन्होंने स्टूडेंट्स से अपील की कि वे अपने टैलेंट का इस्तेमाल देश की तरक्की, समाज की भलाई और इंसानियत की सेवा के लिए करें। कैबिनेट मंत्री ने पंजाब सरकार की तरफ़ से युवाओं को अच्छी शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और रोज़गार के अच्छे मौके देने की कोशिशों का ज़िक्र करते हुए कहा कि सरकार का मकसद युवाओं को आत्मनिर्भर और काबिल बनाना है ताकि वे अपने सपनों को पूरा करते हुए राज्य और देश की तरक्की में अहम रोल निभा सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा इंसान की सबसे बड़ी दौलत है और इसके ज़रिए ही समाज में अच्छा बदलाव लाया जा सकता है।

उन्होंने गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशंस की हाई लेवल की शिक्षा, मॉडर्न टेक्नोलॉजिकल सुविधाओं और इंडस्ट्री-सेंट्रिक लर्निंग मॉडल की बहुत तारीफ़ की और कहा कि इस इंस्टिट्यूशन ने शिक्षा के क्षेत्र में खास योगदान दिया है और हज़ारों स्टूडेंट्स को उनके करियर में सफल होने के लिए एक मज़बूत नींव दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे इंस्टिट्यूशंस राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। समारोह के दौरान गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशंस के चेयरमैन एस. गुरचरण सिंह और वाइस चेयरमैन एस. गुरकीरत सिंह ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इंस्टिट्यूशन का मकसद स्टूडेंट्स को वर्ल्ड-क्लास शिक्षा के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के लिए प्रेरित करना है ताकि वे ग्लोबल स्टेज पर अपनी पहचान बना सकें। समारोह में स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स में बहुत उत्साह देखा गया। डिग्री पाने वाले स्टूडेंट्स ने इस मौके को अपनी ज़िंदगी की एक बड़ी उपलब्धि बताया और अपने टीचर्स और पेरेंट्स को धन्यवाद दिया। समारोह के दौरान, पढ़ाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को स्पेशल मेडल और ऑनरेबल मेंशन भी दिए गए। इस मौके पर आई. के. गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार नवदीपक संधू, गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन एस. गुरचरण सिंह, वाइस चेयरमैन एस. गुरकीरत सिंह, बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स मौजूद थे।

सेंट्रल जेल में खुला आम आदमी क्लीनिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- पंजाब के जेल और NRI मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज यहां सेंट्रल जेल में नए बने आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन करते हुए कहा कि पंजाब सरकार राज्य के हर इलाके में बहुत आसान तरीके से अच्छी हेल्थ सुविधाएं देने के नए स्टैंडर्ड सेट कर रही है, जिससे आम लोगों को उनके घरों के पास ही बेसिक टेस्ट और दवाइयां मिल रही हैं। जेल मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने राज्य में 1090 आम आदमी क्लीनिक खोले हैं, जहाँ एक्सपर्ट स्टाफ द्वारा प्राइमरी हेल्थ केयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करके अच्छी हेल्थ सर्विस, टेस्ट और दवाएँ मुफ़्त में दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि होशियारपुर की सेंट्रल जेल में आम आदमी क्लीनिक शुरू होने से जिले में चल रहे इन क्लीनिकों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है और अब जेल में बंद कैदियों को 45 तरह के टेस्ट की सुविधा जेल में ही मिलेगी, जहाँ उन्हें 100 से ज़्यादा तरह की दवाएँ भी मुफ़्त मिलेंगी। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य की 8 जेलों में आम आदमी क्लीनिक खोले हैं ताकि जेलों में कैदियों के लिए हेल्थ सुविधाएँ सही तरीके से लागू की जा सकें। उन्होंने कहा कि जेलों में इन क्लीनिकों में मेडिकल ऑफिसर, फार्मासिस्ट, क्लीनिक असिस्टेंट, हेल्पर आदि तैनात किए गए हैं ताकि अच्छी हेल्थ सर्विस दी जा सके। उन्होंने कहा कि होशियारपुर जेल में बंद 1400 से ज़्यादा कैदियों के शुरुआती टेस्ट अब जेल के अंदर ही आम आदमी क्लीनिक में किए जाएंगे और ज़रूरी दवाइयां भी अंदर से ही दी जाएंगी। आम आदमी क्लीनिक में लोगों को मिल रही हेल्थ सुविधाओं के बारे में कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि इन क्लीनिक में मिल रही सुविधाओं से लोगों को बहुत फ़ायदा हो रहा है और अब तक 5.90 करोड़ मरीज़ अपना चेक-अप करवा चुके हैं और राज्य में पहले चल रहे 990 क्लीनिक में से अंदाज़न 83 हज़ार लोग रोज़ाना हेल्थ सर्विस ले रहे थे। उन्होंने कहा कि अब इन क्लीनिक की संख्या बढ़कर 1090 हो गई है, इससे ज़्यादा लोगों को अच्छी हेल्थ सुविधाओं का फ़ायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब तक इन क्लीनिक में लगभग 3.5 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि अब आम आदमी क्लीनिक में प्रेग्नेंट महिलाओं की देखभाल, स्क्रीनिंग और डाइट मैनेजमेंट की सर्विस भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने आने वाले समय में 300 और आम आदमी क्लीनिक खोलने का प्रस्ताव रखा है, ताकि राज्य के हर इलाके में लोगों को उनके घरों के पास बेसिक और अच्छी हेल्थ सर्विस मिल सकें। जेल सुपरिटेंडेंट हरचरण सिंह गिल, सिविल सर्जन डॉ. मंदीप कमल ने जेल में आम आदमी क्लीनिक बनाने, स्टाफ और मौजूद सुविधाओं के बारे में डिटेल में जानकारी दी। इस मौके पर एडिशनल सुपरिटेंडेंट हरबंस सिंह, डिप्टी सुपरिटेंडेंट आशा रानी, आम आदमी क्लीनिक के अर्बन नोडल ऑफिसर डॉ. रोहित बबूता, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर ह्यारू मोहम्मद आसिफ भी मौजूद थे।

तरुण चुघ दो संसदीय समितियों के सदस्य नामित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा- BJP के नेशनल जनरल सेक्रेटरी और राज्यसभा मेंबर तरुण चुघ को होम अफेयर्स की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी और मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफ़ेंस की कंसल्टेटिव कमिटी का मेंबर नॉमिनेट किया गया है, जो पार्लियामेंट में एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। होम अफेयर्स की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी, मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स और उससे जुड़े डिपार्टमेंट्स के कामकाज, पॉलिसी, कानून और बजट एलोकेशन की जांच करने में अहम भूमिका निभाती है। यह कमिटी इंटरनल सिक्योरिटी, लॉ एंड ऑर्डर, बॉर्डर मैनेजमेंट, डिज़ास्टर मैनेजमेंट और इससे जुड़े मामलों पर डिटेल्ड पार्लियामेंट्री जांच और पॉलिसी सुझाव देकर गवर्नेंस को मज़बूत करने में मदद करती है। इसके अलावा, तरुण चुघ को मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफ़ेंस की कंसल्टेटिव कमिटी के लिए भी नॉमिनेट किया गया है, जो एक ज़रूरी पार्लियामेंट्री फोरम है जो मेंबर्स ऑफ़ पार्लियामेंट और मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफ़ेंस के बीच रेगुलर बातचीत को आसान बनाता है। यह कमिटी नेशनल सिक्योरिटी, डिफ़ेंस की तैयारी, आर्म्ड फ़ोर्सेज़ के मॉडर्नाइज़ेशन, बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफ़ेंस पर्सनल की भलाई से जुड़े ज़रूरी मुद्दों पर विचार-विमर्श करती है, जिससे स्ट्रेटेजिक इंपॉर्टेंस के मामलों पर कंस्ट्रक्टिव बातचीत हो पाती है। इन दोनों प्रतिष्ठित कमेटियों में नॉमिनेशन, तरुण चुघ के पार्लियामेंट्री अनुभव और लीडरशिप में दिखाए गए भरोसे को दिखाता है। इन कमेटियों के सदस्य के तौर पर, वह देश के दो सबसे ज़रूरी सेक्टर - इंटरनल सिक्योरिटी और नेशनल डिफेंस - पर चर्चा और पॉलिसी पर बातचीत में योगदान देंगे।

रोजी रोटी कमाने आए युवक की मोहाली में सड़क हादसे में मौत

जीरकपुर (मोहाली)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र से रोजी रोटी कमाने आए युवक की मोहाली के जीरकपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। उसका चंडीगढ़ सेक्टर-32 स्थित मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। हादसा देर रात वीआईपी रोड पर मेट्रो टावर के सामने स्लिप रोड हुआ। हादसे में जान गंवाने वाला कुरुक्षेत्र निवासी 25 वर्षीय मलकीत सिंह अपने साथी लवकेश के साथ बाइक पर जा रहा था। तभी किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी। मलकीत और लवकेश सड़क पर गिर गए। वाहन चालक फरार हो गया। लोगों ने दोनों घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मलकीत को मृत घोषित कर दिया। जीरकपुर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

आपेल मंदिर में आधी रात से कावड़ियों की उमड़ी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आज सावन का दूसरा सोमवार है, शिवभक्तों ने सावन माह के हर सोमवार को सोने में सुहागा डाल देते हैं। सिलापथार सिलागांव में स्थित आपेल मंदिर में रविवार मध्य रात्रि से भक्तों ने जलाभिषेक के लिए भीड़ करते हुए दिखाई दी। जिले की प्रमुख नदियां जैसे सीमेन,डिमो, गाई, गाघरा आदि नोडिया में भक्तों ने स्नान कर पदयात्रा बोल बम ध्वनि देकर कर आपेल मंदिर के शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। मंदिर परिसर में हर वर्ष के तरह इस बार भी भंडारे की व्यवस्था किया गया है। मंदिर के प्रमुख बाब ने मीडिया को दिए जानकारी अनुसार इस बार भी रविवार मध्य रात्रि से सोमवार दुपहर तक लगभग 12 से 15 हज़ार शिव भक्त श्रद्धालुओं ने मंदिर में अपनी मन्नत लेकर आए एवं शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्री शिव भक्तों ने शाम से ही चिलपत्थर के एप्पल मंदिर में एकाकी भीड़ देखी। नाम जप से भक्तिमय माहौल है। रविवार आधी रात से ही घाघरा नदी के किनारे आध्यात्मिक माहौल है। नदी में स्नान करने के बाद, भक्त नदी के किनारे रेत में शिवलिंग स्थापित करते हैं और अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए पूजा करते हैं। मंदिर के बाबा ने भक्तों को आशीर्वाद दिया और मीडिया को बताया कि हर साल की तरह, ब्रह्मपुत्र नदी, गाई नदी, घाघरा नदी, चिमेन नदी और अरुणाचल प्रदेश में आकाशी गंगा जैसी कई जगहों से भक्त आधी रात को मंदिर आए हैं। रविवार आधी रात से सोमवार दोपहर 2,3 बजे तक भक्त आएंगे, जिसमें लगभग 15 से 20 हजार भक्त इकट्ठा होंगे। शहर में बहुत सारे भक्त हैं। शहर में बहुत सारे भक्त हैं। असम सुरक्षित रहे, असम प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर रहे, एकजुट भारत सुरक्षित रहे, ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं।

पांच चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुक्तसर साहिब। मुक्तसर साहिब पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु राणा के नेतृत्व में जिले में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) मनमीत सिंह ढिल्लों और पुलिस उपाधीक्षक रशपाल सिंह ने बताया कि सीआईए स्टाफ के प्रभारी निरीक्षक गुरविंदर सिंह की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बठिंडा जिले के गांव भिसियाना निवासी अमरदीप सिंह तथा मुक्तसर साहिब के गांव मल्लन निवासी जगतार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, थाना सदर मुक्तसर साहिब में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के समय आरोपियों के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर चार अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद कर ली गईं। इस तरह पुलिस ने कुल पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे मुक्तसर साहिब के विभिन्न गांवों और कस्बों से मोटरसाइकिलें चोरी कर उन्हें एक स्थान पर इकट्ठा करते थे और बाद में बेच देते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। मामले की जांच जारी है और पूछताछ में अन्य महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। मुक्तसर साहिब पुलिस ने कहा कि जिले में वाहन चोरी, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

असम में प्रथम स्थान, श्रीभूमि के पीएम श्री शंकरदेव स्कूल को 5-स्टार रेटिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- शिक्षा और स्वच्छता के क्षेत्र में असम के श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर प्राथमिक शिक्षा खंड के अंतर्गत आने वाले 1367 नंबर पीएम श्री शंकरदेव एलपी स्कूल, मोहनपुर ने राज्य स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'स्वच्छ और हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR) 2025' के अंतिम परिणाम में इस विद्यालय ने पूरे असम में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और सर्वोच्च 5-स्टार रेटिंग भी हासिल की है। इस वर्ष असम में केवल दो विद्यालयों को राज्य में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला है। इनमें शिवसागर जिले का पीएम श्री लादैगढ़ ग्रांट एलपी स्कूल और श्रीभूमि जिले का 1367 नंबर पीएम श्री शंकरदेव एलपी स्कूल, मोहनपुर शामिल हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय की उपलब्धि से पूरे इलाके में खुशी का माहौल है।

स्थानीय लोगों और शिक्षा प्रेमियों ने विद्यालय की इस सफलता को राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और मिशन लाइफ (Mission LiFE) के अनुरूप विद्यालयों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ आधारभूत सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह रेटिंग प्रदान की जाती है। विद्यालय ने सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ एवं आधुनिक शौचालय, साबुन से हाथ धोने की व्यवस्था, नियमित रखरखाव, विद्यार्थियों में स्वच्छता संबंधी व्यवहारिक जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों सहित छह प्रमुख मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रधानाध्यापक नछिम उद्दीन, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नासिर उद्दीन, समस्त शिक्षकों, स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) तथा विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास को दिया जा रहा है। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि एक दूरदराज़ के प्राथमिक विद्यालय का पूरे असम में शीर्ष स्थान हासिल करना अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। प्रधानाध्यापक नछिम उद्दीन ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए गर्व के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

अमेरिका में सफल दौरे के बाद आईएनएस सुदर्शिनी पुर्तगाल के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोहों में सफल भागीदारी के बाद अब अपने अगले पड़ाव पुर्तगाल के लिए रवाना हो गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पोत 25 जुलाई को अमेरिका के बोस्टन से 'लोकायन-26' अभियान के तहत पुर्तगाल के अजोरेस द्वीपसमूह स्थित पोंटा डेलगाडा के लिए रवाना हुआ। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आईएनएस सुदर्शिनी वैश्विक मंच पर भारत की समुद्री शक्ति, पेशेवर दक्षता और सद्भावना का संदेश देते हुए अपनी यात्रा जारी रखेगा। अमेरिका प्रवास के दौरान पोत ने प्रतिष्ठित 'सेल-250' समारोह और 'इंटरनेशनल नेवल रिव्यू-250' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान भारतीय नौसेना ने देश की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया तथा विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ पेशेवर एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए आपसी सहयोग को मजबूत किया। आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका के नॉरफॉक, बाल्टीमोर, न्यूयॉर्क

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आईएनएस सुदर्शिनी वैश्विक मंच पर भारत की समुद्री शति, पेशेवर दक्षता और सद्भावना का संदेश देते हुए अपनी यात्रा जारी रखेगा। अमेरिका प्रवास के दौरान पोत ने प्रतिष्ठित 'सेल-250' समारोह और 'इंटरनेशनल नेवल रिव्यू-250' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान भारतीय नौसेना ने देश की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया तथा विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ पेशेवर एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए आपसी सहयोग को मजबूत किया। आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका के नॉरफॉक, बाल्टीमोर, न्यूयॉर्क और बोस्टन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया।

और बोस्टन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान विभिन्न देशों के गणमान्य व्यक्तियों, अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक प्रतिनिधिमंडलों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों की मेजबानी भी की गई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन गतिविधियों ने समुद्री सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मित्रता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कमांडर रविकांत नंदूरी के नेतृत्व में पोत ने 'सेल-250 मैरीलैंड' तथा 'एयरशो बाल्टीमोर' में भी भाग लिया, जहां दुनिया के कई पारंपरिक नौकायन पोत, सैन्य जहाज और हवाई प्रदर्शन एक साथ आयोजित किए गए। आईएनएस सुदर्शिनी तीन मस्तूल वाला बार्क श्रेणी का नौकायन पोत है। इसकी लंबाई 54 मीटर है और इसमें 20 पाल, लगभग 7.5 किलोमीटर लंबी रस्सियां तथा 1.5 किलोमीटर लंबी तार वाली रस्सियां लगी हैं। पाल और इंजन दोनों की सहायता से संचालित होने वाला यह पोत एक बार में 20 दिन तक लगातार समुद्र में रह सकता है। पोत पर पांच अधिकारी, 31 नौसैनिक और 30 प्रशिक्षणरत कैडेट तैनात रहते हैं। गौरतलब है कि आईएनएस सुदर्शिनी ने 20 जनवरी को कोच्चि से 'लोकायन-26' अंतरमहासागरीय अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य वैश्विक समुद्री संपर्क को बढ़ावा देना, अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मजबूत करना तथा विश्व मंच पर भारत की समृद्ध समुद्री परंपराओं और नौसैनिक क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन करना है।

शहरी जलभराव रोकने को 1,284 करोड़ की 24 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित अर्बन फ्लड (शहरी बाढ़)/जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना की राज्य स्तरीय शीर्ष समिति (एसएलएसी) की बैठक में 1,284.01 करोड़ रुपये की लागत वाली 24 परियोजनाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संस्तुति प्रदान की गई। बैठक में प्रदेश के 16 नगर निगमों में शहरी बाढ़ और जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली स्टार्म वाटर ड्रेनेज परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने तकनीकी एवं वित्तीय पहलुओं का परीक्षण करने के बाद 24 परियोजनाओं को मंजूरी के लिए संस्तुत किया। मुख्य सचिव ने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से शहरों में वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही बेहतर

जल निकासी व्यवस्था विकसित होने से नागरिकों को राहत मिलेगी, यातायात बाधित नहीं होगा और शहरी आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नगर विकास विभाग द्वारा अर्बन फ्लड/ जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की स्थायी, सुनियोजित, एकीकृत और समन्वित व्यवस्था विकसित करना है। इस योजना के माध्यम से आधुनिक ड्रेनेज नेटवर्क तैयार कर जलभराव की समस्या का दीर्घकालिक समाधान किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बदलते मौसम के कारण महानगरों एवं बड़े शहरों में जलभराव की चुनौती बढ़ी है। ऐसे में इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल नागरिक सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि शहरी विकास को भी नई गति मिलेगी। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद सहित नगर विकास विभाग और संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सभी परियोजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

दीवार से टकराकर नीलगाय की मौत मामलें में वन विभाग ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। नीलगाय की दीवार से टकराकर मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने नीलगाय के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना सेहरामऊ क्षेत्र के ग्राम बबरौआ में एक नीलगाय की मौत से ग्रामीणों में हलचल मच गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार नीलगाय अचानक गांव में आ गई थी। उसे सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान घबराकर तेज रफ्तार में भाग रही नीलगाय एक पक्की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। नीलगाय के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद अधिकारियों ने शव को

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कजे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार नीलगाय अचानक गांव में आ गई थी। उसे सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान घबराकर तेज रतार में भाग रही नीलगाय एक पकी दीवार से टकरा गई। टकर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई।

आवश्यक परीक्षण के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। खुटार रेंजर दिनेश बडोला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में नीलगाय की मौत दीवार से टकराने के कारण होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही की जाएगी। वन विभाग पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है।

शराब की लत का कथित फायदा उठाकर लाखों की जमीन का बैनामा कराने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में पुश्तैनी कृषि भूमि के कथित फर्जी बैनामे और भुगतान में अनियमितता का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम रामपुर बस्ती निवासी करन पुत्र लल्लू ने थाना मलिहाबाद में प्रार्थना पत्र देकर स्थानीय दलाल एवं प्रधान रामशंकर कश्यप सहित कई लोगों पर सुनियोजित षड्यंत्र के तहत शराब की लत का फायदा उठाकर उसकी कीमती जमीन का बैनामा कराने तथा बैनामे की धनराशि हड़पने का आरोप लगाया है। साथ ही परिवार को जान से मारने की धमकी दिए जाने की भी शिकायत की गई है। पीड़ित के अनुसार, ग्राम रामपुर बस्ती स्थित गाटा संख्या 2/3, कुल रकबा 0.430 हेक्टेयर कृषि भूमि में उसका एक-चौथाई हिस्सा (0.1075 हेक्टेयर) दर्ज है। सड़क किनारे स्थित होने के कारण इस भूमि की बाजार कीमत लगभग ?5 से ?6 लाख बताई जा रही है। आरोप है कि रामशंकर कश्यप ने हरिराम और राजपाल के साथ मिलकर पहले से योजना बनाई और शराब

के नशे की हालत का फायदा उठाते हुए 15 जुलाई 2026 को उक्त भूमि का बैनामा सरला पत्नी धर्मेंद्र एवं रेशमा पत्नी राजपाल के नाम मात्र ?2 लाख में करा दिया। शिकायत में कहा गया है कि बैनामे में ?20,000 नकद भुगतान तथा शेष ?1.80 लाख केनरा बैंक, मलिहाबाद शाखा स्थित खाते में भेजे जाने का उल्लेख है, जबकि पीड़ित का दावा है कि उसके खाते में आज तक यह राशि प्राप्त नहीं हुई। इससे पूरे लेन-देन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि बैनामे के गवाहों और खरीदारों के बीच पारिवारिक संबंध हैं। पीड़ित का कहना है कि गवाह हरिराम की बहू सरला तथा दूसरे गवाह राजपाल की पत्नी रेशमा ही भूमि की खरीदार हैं, जिससे पूरा सौदा पहले से तय एक सुनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है। आरोप है कि बैनामे की धनराशि का दुरुपयोग कर उसे हड़प लिया गया। पीड़ित के बड़े भाई धर्म रावत, राजवीर रावत तथा बहन नैना रावत का भी आरोप है कि शिकायत के बाद रामशंकर कश्यप उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है। राजवीर रावत का कहना है कि सड़क किनारे स्थित यह पुश्तैनी जमीन लाखों रुपये मूल्य की थी, लेकिन कथित षड्यंत्र के कारण परिवार अपनी बाप-दादाओं की विरासत से वंचित होने की स्थिति में पहुंच गया। पीड़ित ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, बैंक खाते के लेन-देन, बैनामे की प्रक्रिया, भुगतान के साक्ष्य तथा सभी संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच करने की मांग की है। साथ ही, आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र एवं अन्य संबंधित धाराओं में कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस को शिकायत प्राप्त हो गई है। मामले में जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

रोड़ा हादसे के बाद हरकत में आया प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रोड़ा गांव स्थित नेशनल हाईवे-44 पर हाल ही में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन युवकों की मौत के बाद जिला प्रशासन ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आकस्मिक सड़क सुरक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई, एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने रोड़ा कट हादसे सहित जनपद में पिछले कुछ महीनों में हुई सभी बड़ी सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा

करते हुए अधिकारियों को दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। डीएम ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि जनपदभर में विशेष अभियान चलाकर 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा वाहन चलाने पर उनके अभिभावकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही मोटरसाइकिल पर तीन सवारी बैठाकर चलने वालों के विरुद्ध भी सघन अभियान चलाकर चालान किए जाएं। बैठक के दौरान यातायात निरीक्षक आलोक तिवारी से जिले के ब्लैक स्पॉट और हाल की दुर्घटनाओं के कारणों की जानकारी ली गई। इसके बाद एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर रम्बल स्ट्रिप, स्पीड कंट्रोलर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर तथा अन्य सड़क सुरक्षा उपकरण शीघ्र लगाए जाएं। जिलाधिकारी ने एनएचएआई के परियोजना निदेशक को निर्देशित किया कि रामनगर रोड, मन्नू पेट्रोल पंप, तेरई फाटक, मसौरा रोड, रोड़ा कट, बिरधा तथा सागर रोड पर एक सप्ताह के भीतर आवश्यक सड़क सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं। बैठक में डीएम ने रोड़ा कट पर हुई दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए एनएच-44 के रोड़ा कट तथा अमरपुर मंडी, मेडिकल कॉलेज कट पर अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव पारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई के परियोजना निदेशक से कहा कि दोनों प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराकर अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में एडीएम एफ.आर. दिनेश कुमार, डीडीओ अतिरंजन सिंह, एनएचएआई परियोजना निदेशक, लोक निर्माण विभाग अधिशासी अभियंता विजय चंद्रा एवं राजेश गुप्ता, डीआईओएस ओ.पी. सिंह, यातायात प्रभारी आलोक तिवारी, पुलिस सीसी टीम तथा आईरैड प्रभारी एनआईसी नरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूरनपुर के आकिब अली ने नीट परीक्षा में हासिल किये 619 अंक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। समाजसेवी जफर अली के भतीजे आकिब अली ने नीट परीक्षा में 619 अंक प्राप्त कर परिवार ही नहीं बल्कि जनपद का नाम रोशन किया है। छात्र की इस उपलब्धि के बाद से ही परिजनों, शुभचिंतकों व तमाम लोगों के द्वारा बधाइयां दिए जाने का सिलसिला जारी है। नगर के मोहल्ला चौक निवासी आरिफ अली के पुत्र एवं समाजसेवी ज़फर अली के भतीजे आकिब अली नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के पूर्व छात्र आकिब अली ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीत-यूजी 2026) में शानदार सफलता हासिल कर जनपद और परिवार

का नाम रोशन किया है। आकिब ने 720 में से 619 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 5201 तथा कैटेगरी रैंक 527 हासिल की है। आकिब अली ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पूरनपुर से प्राप्त की। शुरुआती प्रयासों में सफलता नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) के मार्गदर्शन में निरंतर मेहनत करते हुए वर्ष 2026 की नीट परीक्षा में यह उपलब्धि हासिल की। नीट परीक्षा में सफलता के बाद पीडब्ल्यू संस्था, नोएडा द्वारा आकिब को सम्मानित किया गया। उन्होंने फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी में लगभग 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। आकिब ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के सहयोग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत को दिया। आकिब की इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकों, मित्रों, समाजसेवियों और नगरवासियों में खुशी का माहौल है। उन्हें लगातार बधाइयाँ और शुभकामनाएँ मिल रही हैं। यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है।

नैनी सेंट्रल जेल के सामने स्कूली वैन और कार की टक्कर,कोई घायल नही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल के सामने सोमवार सुबह बच्चों को लेने जा रही एक स्कूली वैन और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय स्कूली वैन में कोई बच्चा सवार नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, नैनी एडीए स्थित आरआरबी स्कूल की वैन बच्चों को लेने के लिए खरकौनी की ओर जा रही थी। इसी दौरान सेंट्रल जेल के समीप सामने से आ रही एक कार से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के चालकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और दोनों पक्षों को शांत कराकर मामला शांत कराया

आरडी प्रॉपर्टीज का छठा वार्षिक भंडारा, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोवर्धन (मथुरा)। गुरु पूर्णिमा मेले के पावन अवसर पर गिरिराज धाम गोवर्धन में श्रद्धा, आस्था और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। लाखों श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी गिरिराज महाराज के दर्शन और सप्तकोसीय परिक्रमा के लिए गोवर्धन पहुंच रहे हैं। पूरे परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है और वातावरण 'गिरिराज महाराज की जय ', 'राधे-राधे' तथा भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से भक्तिमय बना हुआ है। गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संस्थाओं द्वारा भंडारों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं सेवा कार्यों की श्रृंखला में आर डी प्रॉपर्टीज के तत्वावधान में श्रद्धालुओं के लिए छठे वार्षिक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में हजारों की संख्या में परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजकों की सेवा

भावना की सराहना की। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध एवं सात्विक भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। इसके साथ ही भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए ठंडा पेयजल, छाछ, शरबत एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी निःशुल्क वितरित की गई। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं ने इस सेवा को अत्यंत सराहनीय बताते हुए आयोजकों को धन्यवाद दिया। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि लंबी परिक्रमा के दौरान ऐसे भंडारे उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करते हैं और सेवा की यह परंपरा ब्रज की पहचान है। आर डी प्रॉपर्टीज के संस्थापक गुड्डा ठाकुर उर्फ सौदान सिंह ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों से लगातार यह विशाल भंडारा आयोजित किया जा रहा है और भविष्य में भी यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। उनका कहना था कि ब्रज की सेवा और गिरिराज महाराज के भक्तों की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना ही नहीं, बल्कि परिक्रमा करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सम्मानपूर्वक सेवा प्रदान करना है। इसी भावना के साथ सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण से दिन-रात सेवा में जुटे हुए हैं। भंडारे में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु का स्वागत प्रेम और आदर के साथ किया गया। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में जयवीर चौधरी, नीतू ठाकुर, अजय कौशिक, ठाकुर मुकेश, हेम सिंह ठाकुर, राजेश ठाकुर, छोटू ठाकुर, माधव शर्मा, बीके ठाकुर, गोविंद ठाकुर सहित समस्त ब्रजवासियों का विशेष सहयोग रहा। सभी कार्यकर्ता भोजन वितरण, पेयजल व्यवस्था, छाछ एवं शरबत वितरण तथा श्रद्धालुओं की अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में पूरे उत्साह के साथ लगे रहे। भंडारे में सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं का लगातार आना-जाना लगा रहा। परिक्रमा करने वाले भक्तों ने भोजन प्रसाद ग्रहण करने के बाद आयोजकों को आशीर्वाद दिया और उनकी सेवा भावना की प्रशंसा की। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि ब्रज में आने पर उन्हें हर कदम पर सेवा और अपनापन देखने को मिलता है, जो इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषता है।

छिवकी जंक्शन पर ट्रेन में यात्री का मोबाइल चोरी, जीआरपी से की शिकायत

नैनी, प्रयागराज। छिवकी रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में एक यात्री का मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने घटना की सूचना जीआरपी पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, नवीन कुमार रेड्डी पुत्र नारायण रेड्डी, निवासी आंध्र प्रदेश, काशी (वाराणसी) दर्शन कर ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जब ट्रेन नैनी छिवकी जंक्शन पहुंची, तभी अज्ञात चोर ने उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

मोबाइल गायब होने का पता चलते ही यात्री ने काफी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल जीआरपी पुलिस को सूचना देकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

जीआरपी पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रेलवे स्टेशन एवं ट्रेन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर मोबाइल चोर की तलाश की जा रही है।